दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-44, अंक 255
कोटद्वार गुरूवार
19 जनवरी 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप

लड़कियों का यौन शोषण करते हैं: विनेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारतीय पहलवान भारतीय कुश्ती संघ के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में कुल 30 पहलवान शामिल हैं। ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले पहलवान भी इस प्रदर्शन का हिस्सा हैं। पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदर्शन में शामिल पहलवान विनेश फोगाट ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष और कोच के ऊपर पर महिलाओं को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। वहीं, अपने ऊपर लगे आरोपों को बृजभूषण शरण सिंह ने निराधार बताया है।

विनेश ने अपने बयान में कहा, श्कोच महिला खिलाड़ियों को प्रताड़ित कर रहे हैं और फेडरेशन के चहेते कुछ कोच महिला कोचों के साथ भी बदसलूकी करते हैं। वे लड़कियों का यौन उत्पीड़न करते हैं। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने कई लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया है।विनेश फोगाट ने कहा है कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण ने कई लड़कियों का यौन शोषण किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पुरुष कोच भी लड़कियों और महिला कोच का यौन शोषण करते हैं।

जंतर-मंतर पर मौजूद पहलवानों ने कहा, श्वे (संघ) हमारे निजी जीवन में भी दखल देते हैं और हमें परेशान करते हैं। वे हमारा शोषण कर रहे हैं। जब हम ओलंपिक में गए थे तो हमारे पास फिजियो या कोच नहीं था। जब से हमने आवाज उठाई है, हमें धमकाया जा रहा है।

विनेश फोगाट ने कहा श्टोक्यो ओलंपिक में हार के बाद डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने मुझे श्खोटा सिक्काश कहा। डब्ल्यूएफआई ने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मैं हर दिन अपने जीवन को समाप्त करने के बारे में सोचती थी। अगर किसी पहलवान को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष की होगी।ष

भारत के कई दिग्गज पहलवान भारतीय कुश्ती संघ के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर तानाशाही के आरोप लगाए हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों में टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विश्व चौम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगट सहित देश के कई शीर्ष पहलवान शामिल हैं। बृजभूषण शरण सिंह कैसरगंज से भाजपा सांसद भी हैं।

अपने प्रदर्शन को लेकर पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा ष्भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पहलवानों को परेशान कर रहा है। जो लोग डब्ल्यूएफआई का हिस्सा हैं उन्हें खेल के बारे में कुछ नहीं पता है। पहलवान कुश्ती महासंघ में चल रही तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करना चाहते।ष

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कहा ष्हम भारतीय कुश्ती महासंघ का विरोध कर रहे हैं। हम पहलवान यहां इकट्ठे हुए हैं।

भारतीय कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा ष्पता नहीं यह किस बारे में है। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष को लिखे पत्र से पता चला कि कुछ पहलवान विरोध में बैठे हैं। मैं उनसे उनकी समस्या पूछने आया हूं। एक बार जब वे फेडरेशन में आ जाएंगे तो सारे मसले सुलझ जाएंगे। उन्होंने मुझे अभी तक नहीं बताया कि मामला क्या है। अभी तक मेरे या फेडरेशन के सामने इस तरह का कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है।ष

अपने ऊपर लगे आरोपों पर कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा,क्या ऐसा कोई खिलाड़ी है जो आकर कह सकता है कि कुश्ती संघ ने उसे प्रताणित किया? क्या उन्हें पिछले दस साल से फेडरेशन से कोई समस्या नहीं थी? ये सारी बातें तब हो रही हैं जबसे नए नियम लागू किए गए हैं। धरने पर बैठे पहलवानों ने ओलंपिक के बाद से किसी भी राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। यौन शोषण की कोई घटना नहीं हुई है। अगर ऐसा कुछ हुआ है तो मैं फांसी लगा लूंगा।

उन्होंने कहा, मैं विनेश फोगाट से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने ओलंपिंक में हार के बाद कंपनी की लोगो वाली पोशाक क्यों नहीं पहनी थी? उसके मैच हारने के बाद, मैंने केवल उसे प्रोत्साहित और प्रेरित किया था। यौन शोषण के बहुत बड़ा आरोप है। जब मुझे ही इसमें घसीटा गया है तो मैं कैसे कोई कार्रवाई कर सकता हूं? मैं जांच

आरोप सही साबित हुए तो फांसी लगा लूंगा: बृजभूषण

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के दिग्गज पहलवान दिल्ली के जंतर-मंतर पर बुधवार (18 जनवरी) को धरने पर बैठ गए। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कई कोच पर कई आरोप लगाए। इनमें स्टार पहलवान विशेन फोगाट द्वारा लगाया गया यौन शोषण का आरोप प्रमुख है। अब इस पूरे मामले पर बृजभूषण शरण सिंह ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। बृजभूषण ने कहा कि अगर ये सही साबित हुए तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पहलवानों के धरने के पीछे एक बड़े उद्योगपति का हाथ है। अपने ऊपर लगे आरोपों पर कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, श्क्या ऐसा कोई खिलाड़ी है जो आकर कह सकता है कि कुश्ती संघ ने उसे प्रताड़ित किया? क्या उन्हें पिछले दस साल से फेडरेशन से कोई समस्या नहीं थी? ये सारी बातें तब हो रही हैं जबसे नए नियम लागू किए गए हैं। धरने पर बैठे पहलवानों ने ओलंपिक के बाद से किसी भी राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। यौन शोषण की कोई घटना नहीं हुई है। अगर ऐसा कुछ हुआ है तो मैं फांसी लगा लूंगा। उन्होंने कहा, मैं विनेश फोगाट से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने ओलंपिक में हार के बाद कंपनी की लोगो वाली पोशाक क्यों नहीं पहनी थी? उसके मैच हारने के बाद, मैंने केवल उसे प्रोत्साहित और प्रेरित किया था।

भू-धसांव के चलते लोनिवि का निरीक्षण भवन असुरक्षित

चमोली। जोशीमठ स्थित लोक निर्माण विभाग का निरीक्षण भवन भू-धसांव के कारण असुरक्षित हो गया है। आम जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत उक्त भवन को तत्काल डिस्मेंटल किए जाने के आदेश जारी कर दिए हैं। सीबीआरआई रुड़की द्वारा लोनिवि के इस निरीक्षण भवन को डिमोलिश श्रेणी में रखा गया है। जिस कारण इस भवन को डिस्मेंटल किया जाना आवश्यक है। भू-धंसाव के कारण लोनिवि निरीक्षण भवन के निकट स्थित आवासीय भवनों एवं अन्य संरचनाओं की क्षति की आशंकाओं को देखते हुए निरीक्षण भवन को आम जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, सेवा विवाद मामले को बड़ी बेंच को किया जाए रेफर

नई दिल्ली ,एजेंसी, ।केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण के मुद्दे पर जीएनसीटीडी बनाम भारत संघ मामले में 2018 के फैसले को बड़ी बेंच को भेजने पर विचार करने के लिए कहा। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया, मैंने इस मामले को बड़ी बेंच को भेजने पर एक आवेदन दायर किया था और पहले ही तर्क दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया, हमने आवेदन पर तर्क नहीं सुना। यह कभी तर्क नहीं दिया गया। हम रिज्वाइंडर में हैं। मेहता ने जोर दिया कि मामले को बड़ी बेंच को भेजने की आवश्यकता है।मामले की सुनवाई कर रही बेंच में जस्टिस एमआर शाह, ष्ण मुरारी, हेमा कोहली और पीएस नरसिम्हा भी शामिल थे। बेंच ने कहा कि तर्क शुरु में दिया जाना चाहिए था। साथ ही बताया कि मामले में सुनवाई समाप्त होने वाली है। दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने मेहता की दलीलों का विरोध किया। मेहता ने कहा, रेफर अनिवार्य रूप से इस आधार पर है कि संघ और केंद्र शासित प्रदेश के बीच संघवाद की रूपरेखा पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है। यह मेरे तर्कों में शामिल है।मेहता ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें आवेदन जमा करने की अनुमति दी जाए। पीठ ने जवाब दिया, हम विचार करेंगे., हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने मेहता से कहा कि उनके तर्कों में रेफर के पहलू को शामिल नहीं किया गया था। मेहता ने कहा कि रेफरेंस शब्द का उपयोग किए बिना सभी प्वाइंट्स को कवर किया गया है। मेहता की दलीलों का विरोध करते हुए, सिंघवी ने प्रस्तुत किया कि यह मामला कम से कम 10 बार सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, बड़ी बेंच को रेफर करने की याचिका पहले नहीं उठाई गई थी और अंतिम सुनवाई शुरू होने से पहले पहली बार उठाई गई थी।सिंघवी ने कहा कि रेफर करने का मुद्दा केंद्र द्वारा अपनाई गई विलंब की रणनीति है। शीर्ष अदालत ने मेहता को श्सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर केंद्र-दिल्ली विवाद में बड़ी पीठ को रेफर करने में फाइल दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत सिविल सेवकों के तबादलों और पोस्टिंग पर प्रशासनिक नियंत्रण के संबंध में दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच एक मामले की सुनवाई कर रही है। जुलाई 2018 में, एक संविधान पीठ ने माना कि दिल्ली के एनसीटी के संबंध में केंद्र सरकार की कार्यकारी शक्ति अनुच्छेद 239एए की सबसेक्शन 3 के तहत भूमि, पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था तक सीमित है।

वित्त मंत्रालय से संवेदनशील जानकारी लीक करने वाले जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने वित्त मंत्रालय से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक करने वाले एक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। डेटा एंट्री अपरेटर में संविदा कर्मचारी सुमित को पैसे के बदले जासूसी गतिविधियों और विदेशों को वर्गीत डेटा प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस अपराध शाखा के मुताबिक, तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, मोबाइल का इस्तेमाल वह वित्त मंत्रालय से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं साझा करने के लिए करता था।

आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

पीपलकोटी में बसेगा मिनी जोशीमठ, 130 परिवारों के स्थायी पुर्नवास का फैसला

देहरादून । उत्तराखंड सरकार ने जोशीमठ के प्रभावितों में से 130 परिवारों को पीपलकोटी में स्थायी तौर पर पुनर्वासित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले अस्थायी पुनर्वास के प्रति प्रभावितों ने रुचि नहीं दिखाई थी। जोशीमठ में साढ़े आठ सौ से अधिक प्रभावित परिवार राहत शिविरों में ठहराए गए हैं। असुरक्षित हो चुके भवनों से परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का क्रम जारी है। दरारों के कारण जेपी कालोनी के 15 भवनों को तोडने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।दरअसल, चमोली जिला प्रशासन ने जीएसआई की ओर से भूमि सर्वेक्षण जांच के बाद पीपलकोटी में स्थायी विस्थापन के लिए दो हेक्टयर भूमि को हरी झंडी दे दी है। अब सीबीआरआई की ओर से भूमि का विकास और भवनों के लेआउट बनाने का काम किया जाएगा।सचिव आपदा प्रबंधन ड. रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि समुद्रतल से 1260 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पीपलकोटी में स्थायी विस्थापन के लिए भूमि को चिह्नित कर लिया गया है। जोशीमठ शहर से करीब 36 किमी की दूरी पर स्थित पीपलकोटी में करीब दो हेक्टेयर क्षेत्रफल में 125 से 130 परिवारों को बसाया जाएगा। यहां लोगों को पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे, जो लोग मुआवजा लेकर खुद घर बनाना चाहेंगे, उसका भी विकल्प दिया जाएगा।

पठान विवाद पर पीएम मोदी का बड़ा बयान, फिल्मों पर बेवजह बयानबाजी न करें भाजपाई

नई दिल्ली ,एजेंसी । विवादों में आने के बाद शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण की फिल्म श्पठान खूब सुर्खियां बटोर रही है। इस फिल्म को लेकर कई राजनीतिक पार्टियों ने इसका विरोध किया। वहीं इसी बीच अब प्रधानमंत्री मोदी ने भी बड़ा बयान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा नेताओं को सलाह दी है कि वह फिल्मों पर बेवजह की बयानबाजी से बचें।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 16-17 जनवरी को दिल्ली में आयोजित हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रधानमंत्री ने ये बातें कही। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कुछ फिल्मों पर बयानबाजी कर रहे हैं, जो कि मीडिया पर पूरे दिन चलाए गए।

जोशीमठ में पानी का डिस्चार्ज घटकर 100 एलपीएम हुआ: सचिव आपदा प्रबन्धन

देहरादून। सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने बुधवार को जोशीमठ नगर क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव एवं भूस्खलन के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे राहत एवं बचाव, स्थायी अस्थायी पुनर्वास आदि से सम्बन्धित किये जा रहे कार्यो की मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जोशीमठ में प्रारम्भ में निकलने वाले पानी का डिस्चार्ज जो कि 6 जनवरी 2023 को 540 एलपीएम. था, वर्तमान में घटकर 100 एलपीएम. हो गया है। यह एक राहत की खबर है। सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि मुख्य सचिव उत्तराखण्ड ने जोशीमठ में कार्यरत विभिन्न तकनीकी संस्थानों के निदेशकों तथा वैज्ञानिकों से आग्रह किया है कि प्रभावित क्षेत्र का तत्काल अध्ययन करते हुए अध्ययन रिपोर्ट जल्द से जल्द उपलब्ध करायी जाय। जोशीमठ में भू-धसांव का अध्ययन समयबद्ध तरीके से हो। विभिन्न तकनीकी संस्थान अपनी अध्ययन रिपोर्टे एक दूसरे से सांझा भी करें। अध्ययन रिपोर्टो में स्पष्टता के साथ ही समाधान की भी चर्चा की जाय।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि अस्थायी रूप से चिन्हित राहत शिविरों में जोशीमठ में कुल 615 कक्ष हैं जिनकी क्षमता 2190 लोगों की है तथा पीपलकोटी में 491 कक्ष हैं जिनकी क्षमता 2205 लोगों की है। अभी तक 849 भवनों में दरारें दृष्टिगत हुई है। सर्वेक्षण का कार्य गतिमान है। उन्होंने जानकारी दी कि गांधीनगर में 01, सिंहधार में 02, मनोहरबाग में 05, सुनील में 07 क्षेत्र ध्वार्ड असुरक्षित घोषित किए गए हैं। 181 भवन असुरक्षित क्षेत्र में स्थित है। 258 परिवार सुरक्षा के दृष्टिगत अस्थायी रूप से विस्थापित किये गये हैं। विस्थापित परिवार के सदस्यों की संख्या 865 है।

प्रेस वार्ता में अपर सचिव आपदा प्रबन्धन, निदेशक उत्तराखण्ड भूस्खलन प्रबन्धन एवं न्यूनीकरण संस्थान, निदेशक वाडिया संस्थान, निदेशक आईआईआरएस देहरादून, निदेशक एनआईएच तथा निदेशक आईआईटीआर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने की गृह मंत्री अमित शाह से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से भेंट की। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को जोशीमठ क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी दी, तथा आपदा राहत हेतु केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को अवगत कराया कि जोशीमठ शहर जनपद चमोली का तहसील मुख्यालय, श्री बद्रीनाथ जी का शीतकालीन निवास स्थान है, तथा सामरिक, सांसतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ पुराने भू-स्खलन के मोटी परत के मलबे के ऊपर बसा है। यद्यपि भू-स्खलन, भवनों में दरारों का इतिहास पुराना है परन्तु 02.01.2023 की रात से भवनों में मोटी दरारें दृष्टिगोचर हुई तथा जे0पी0 प्लान्ट के नीचे 500 एल0पी0एम0 की नई धारा फूटने की शिकायत प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि अभी तक क्षेत्र का 25 प्रतिशत भू-भाग, भू-धंसाव से प्रभावित है जिसकी अनुमानित जनसंख्या लगभग 25000 है, पालिका क्षेत्र में दर्ज भवन लगभग 4500 है, उस में से 849 भवनों में चौड़ी दरारें परिलक्षित हो चुकी है, अस्थायी रूप से विस्थापित परिवार 250 हैं, सर्वे गतिमान है एवं उक्त प्रभावित परिवार तथा भवन निरन्तर बढ़ रहे हैं। जबकि पुनर्वास हेतु पांच स्थल चिन्हित किये गये है, जिनका भू-गर्भीय परीक्षण किया जा रहा है। जोशीमठ के कुल 09 वार्ड में से 04 वार्ड पूर्णरूपेण प्रभावित हैं जबकि 08 केन्द्रीय तकनीकी संस्थान प्रभावित क्षेत्र में वैज्ञानिक परीक्षण कर रहे है।

उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि 16 से 22 अगस्त 2022 के मध्य ने क्षेत्र का स्थलीय सर्वेक्षण किया था एवं भू-धंसाव के कारण एवं उपाय इंगित किये गये थे साथ ही सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा 05 से 07 जनवरी 2023 के मध्य स्थलीय निरीक्षण किया था ।

केन्द्रीय विभागों के साथ एक समीक्षा बैठक आहूत की गई। तथा 09 जनवरी 2023 को समस्त सदस्यों द्वारा देहरादून में वस्तुस्थिति की समीक्षा एवं जोशीमठ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी तथा गढ़वाल आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जोशीमठ क्षेत्र में कैम्प किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विभिन्न केंद्रीय तकनीकी संस्थानों से विचार विमर्शोपरान्त प्रारंभिक रूप से अवगत कराया गया है कि क्षेत्र में वृहद् पुनर्निर्माण की आवश्यकता होगी जिसका थ्ण्छण्प्ण् म्ैज्पड।ज्प्ब् तकनीकी परीक्षण समाप्त होने के उपरान्त प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों के लिये तात्कालिक राहत शिविरों की व्यवस्था, च्तमंइतपबंजमक ज्तंदेपज ैमसजमत, स्थायी पुनर्वास, नवीन स्थल विकास, आवास निर्माण, मूलभूत सुविधायें यथाः स्कूल, कालेज, कतंपदंहम, ेमूमतंहम आदि, जोशीमठ का पुर्ननिर्माण, विस्तृत तकनीकी जांच, भू-स्खलन की रोकथाम, सम्पूर्ण जल निकासी व्यवस्था, शहर में सीवर लाईन की व्यवस्था, समस्त घरों का सीवर लाईन से जुड़ाव आदि मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिये मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से केंद्रीय सहायता के लिये अनुरोध किया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने जोशीमठ के भू-धंसाव क्षेत्र के प्रभावितों की आवश्यक मदद का आश्वासन मुख्यमंत्री को दिया।

पिंजरे में कैद हुई खूंखार बाघिन

हल्द्वानी। कर्बेट व रामनगर वन प्रभाग की सीमा मोहान में एक बाघिन को वन विभाग ने पिंजरे में कैद किया है। पिंजरे में ही ट्रैंकुलाइज कर उसे कर्बेट के ढेला रेंज में बने रेस्क्यू सेंटर में रखा गया है। हमलावर बाघिन यही है, इसको लेकर बाघिन का डीएनए सैंपल लिया गया है। दरअसल, हाल ही में मोहान क्षेत्र में बाघ तीन लोगों को मार चुके हैं, इसको लेकर करीब चार माह से बाघ पड़ने को कर्बेट व वन विभाग का बड़ा अभियान चल रहा है। बुधवार की सुबह रामनगर वन प्रभाग के कोसी रेंज में लगाए एक पिंजरे में बाघिन कैद मिली।

इस पर डीएफओ कुंदन कुमार, वन्यजीव डक्टर दुष्यंत टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ड. दुष्यंत कुमार ने बताया कि बाघिन को पिंजरे के अंदर ही ट्रैंकुलाइज किया गया। बंद वाहन से बाघिन को ढेला रेस्क्यू सेंटर रखा गया है। उन्होंने बताया कि मोहान से सटे जगहों पर कुछ और बाघों का भी मूवमेंट हो रहा है। बाघिन सुबह पिंजरे में कैद हुई है। वह शिकार की तलाश में पिंजरे के पास आई थी।

दो नाबालिग बहनों का अपहरण कर मसूरी के होटल में दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

रुड़की। रुड़की से क्षेत्र की दो नाबालिग बहनों का अपहरण कर मसूरी के होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने कलियर से पीड़ित बहनों को बरामद कर तीन आरोपितो को गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए तीन आरोपित सिविल अस्पताल के अस्थाई कर्मचारी रह चुके हैं। सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र निवासी एक ग्रामीण ने सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को 16 जनवरी को तहरीर दी थी। जिसमे बताया था कि उसकी दो नाबालिग पुत्री 15 जनवरी से गायब है। तलाश करने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। मंगलवार की शाम रुड़की पुलिस ने सूचना के आधार पर कलियर से दोनों बहनों को बदहवाश हालत में बरामद कर लिया। बहनों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि रामपुर कोतवाली गंगनहर निवासी वसीम, कोटा मुरादनगर थाना कलियर निवासी शाहरुख,,तथा शिवपुरम, आजाद नगर कोतवाली गंगनहर रुड़की निवासी सचिन के नाम बताए।

उन्होंने बताया कि तीनों युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ कार से मसूरी ले गए थे और वहां एक होटल में ले जाकर उनके साथ दुष्कर्म किया। मंगलवार की शाम युवक उन्होंने उन्हें कलियर में छोड़ दिया और कार लेकर फरार हो गए। पूछताछ के बाद कोतवाली पुलिस ने मंगलवार की देर शाम तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। सिविल लाइन कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रदीप तोमर ने बताया कि आरोपितो से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि वसीम शाहरुख और सचिन सिविल अस्पताल के अस्थाई कर्मचारी रह चुके हैं।

बिना जोलोजिक स्टडी के होटल निर्माण न किया जाए : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : जिला उद्योग मित्र एवं उप समिति की बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने हेतु ऋण उपलब्ध कराए जाने हेतु जो भी आवेदन किये जाते है उन आवेदनों को शीर्ष प्राथमिकता से नियमानुसार स्वीकृत कराने की कार्यवाही की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। डीएम ने कहा कि जिन उद्योग बंधु होटल व्यवसाय हेतु निर्माण करना चाहते है तो उस स्थान की जोलोजिक स्टडी तैयार करें। उन्होंने कहा कि बिना जोलोजिक स्टडी के कोई भी होटल निर्माण न किया जाए।

उद्योग बंधुओं की समस्याओं के निराकरण एवं उनके द्वारा स्थापित किए जाने वाले औद्योगिक इकाइयों के लिए ऋण उपलब्ध कराए जाने हेतु जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जिला उद्योग मित्र एवं उप समिति की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जो औद्योगिक इकाइयां स्वीकृत की गई हैं तथा उनमें निर्माण कार्य शुरू नहीं किए गए हैं उनमें यथाशीघ्र निर्माण कार्य शुरू करने के भी निर्देश दिए गए। डीएम ने महाप्रबन्धक जिला उद्योग को निर्देश दिए हैं कि उद्योग बंधुओं द्वारा संचालित की जा रही औद्योगिक इकाइयों के संचालन में किसी प्रकार की कोई असुविधाएं हैं तो उनका तत्काल निराकरण किया जाए, ताकि उद्योग बंधुओं को अपने औद्योगिक इकाइयों के संचालन में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसके लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समस्याओं का निराकरण तत्परता से करें। बैठक में महाप्रबंधक उद्योग एचसी हटवाल ने बताया कि वर्तमान में विद्युत विभाग में जनपद की किसी भी औद्योगिक इकाई का विद्युत संयोजन प्रकरण लंबित नहीं है। कहा कि ब्याज उपादान में उद्यमी हेतु 10 प्रतिशत अधिकतम 8 लाख प्रति इकाई प्रतिवर्ष दिए जाने का प्राविधान है तथा जनपद में 6 इकाइयों के ब्याज उपादान का प्रकरण बैंकों से प्राप्त हुई है, जिसे समिति द्वारा स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि एकल खिड़की सुगमता और अनुज्ञापन नियमावली 2015 के अंतर्गत वर्तमान में कोई भी आवेदन पत्र विभाग में लंबित नहीं है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, लीड बैंक अधिकारी विवेक कुमार, उद्यान अधिकारी योगेंद्र सिंह चैधरी, परियोजना अधिकारी उरेड़ा राहुल पंत, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, अधि. अभि. लोनिवि जीएस रावत, ग्रामीण निर्माण विभाग हितेश पाल सिंह, जल संस्थान संजय सिंह, जल निगम नवल कुमार, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी कमल सिंह रावत सहित संबंधित अधिकारी एवं उद्योग बंधु मौजूद रहे।

विस बर्खास्त कर्मिकों का धरना रहा जारी

देहरादून। विधानसभा से बर्खास्त कार्मिकों का धरना 31वें दिन भी जारी रहा। बुधवार को पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने समर्थन दिया। वहीं कठपुतली नृत्य के जरिये बर्खास्तगी पर कटाक्ष किया गया। बर्खास्त विधानसभा के कार्मिकों ने विधानसभा अध्यक्ष न्याय की गुहार लगाई। पूर्व सांसद टम्टा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य गठन के बाद नियुक्तियां विधानसभा में की गईं। उसी आधार पर आगे भी नियुक्तियां हुईं। केवल कार्रवाई 2016 के बाद ही क्यों की गई, यह सवाल है। प्रदीप टम्टा ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को इसमें सर्वदलीय बैठक बुलाकर बीच का रास्ता निकालना चाहिए। भविष्य के लिए नीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सात वर्ष की सेवा के उपरांत किसी को रोड पर लाना कहां का न्याय है। लोकतांत्रिक और न्यायिक दृष्टि से बर्खास्त कार्मिकों को न्याय मिलना ही चाहिए। इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, संदीप कुमार पटवाल आदि मौजूद रहे।

पिपोलाखास के मकानों में आई दरारों का निरीक्षण किया

नई टिहरी। स्थानीय प्रशासन की टीम ने तहसीलदार गंगा प्रसाद पेटवाल के नेतृत्व में पिपोलाखास गांव में टिहरी झील के जलस्तर के कारण आई दरारों का निरीक्षण किया। जल्दी ही रिपोर्ट डीएम टिहरी को देने का भरोसा ग्रामीणों को दिया। तहसील दार गंगा प्रसाद पेटवाल, नायब तहसीलदार कमल सिंह विष्ट, पटवारी भगवती प्रसाद ममगाईं सहित टीम के अन्य कर्मचारियों ने पिपोलाखास में पहुंचकर गांव में जलस्तर बढ़ने–घटने के कारण मकानों में आई दरारों को देखा। ग्रामीणों ने भी टीम को हर घर में आ रही दरारों को दिखाया। टिहरी बांध की झील से हो रहे भू–धंसाव के कारण मकानों में आ रही दरारों को मुख्य कारण बताते हुए ग्रामीणों का कहना है, कि जब से झील का जलस्तर बढ़ने–घटने लगा है, तभी से ग्राम पिपोला खास में दरारें आ रही हैं। यह दरारें दिन–प्रतिदिन चौड़ी व गहरी होती जा रहीं हैं। कुछ परिवार तो अपने मकान खाली कर अन्य जगह शिफ्ट हो गए हैं। यह गांव टिहरी बांध से आंशिक रूप से प्रभावित हैं और पूर्व में 26 परिवार पूर्ण विस्थापित किये गये हैं। शेष 190 परिवारों के विस्थापन का किया जाना चाहिए, क्योंकि गांव में भवनों की स्थिति ठीक नहीं है। तहसीलदार पेटवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वे अपनी रिपोर्ट शीघ्र जिलाधिकारी को देंगे। इस मौके पर शान्ति प्रसाद भट्ट, आशा राम, विनोद चमोली, कुशला नंद भट्ट, नित्तिया नंद, चंद्रमोहन भट्ट, दयाराम रतूड़ी, पुरषोत्तम चमोली, जगत सिंह कंडवाल, वचन सिंह कंडवाल, शेर सिंह नेगी, बसंती देवी, असरफी देवी आदि मौजूद रहे।

11 फरवरी को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला न्यायालय परिसर रुद्रप्रयाग एवं बाह्य न्यायालय ऊखीमठ में 11 फरवरी को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए सचिव/सीनियर सिविल जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग अनामिका सिंह ने बताया कि मा. जिला जज रुद्रप्रयाग की अध्यक्षता में 11 फरवरी को जनपद न्यायालय एवं बाह्य न्यायालय ऊखीमठ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत आपसी सुलह–समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाएगा, जिसमें अपराधिक शमनीय वाद, 138 एनआ–ईएक्ट, बैंक रिकवरी वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, वैवाहिक वाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, बिजली व पानी से संबंधित वाद (अशमनीय वादों को छोड़कर) वेतन भत्ते एवं अन्य राजस्व व दीवानी वाद इत्यादि एवं प्री–लिटिगेशन मामलों का निस्तारण पक्षकारों का आपसी सुलह–समझौते के आधार पर किया जाएगा।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

देहरादून। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने लैंसडौन चौक पर प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान के माध्मय से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बजरंग दल ने कहा कि देशभर में बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर सुनियोजित तरीके से जानलेवा हमले किए जा रहे हैं।

देश में आतंक और घृणा का माहौल बनाया जा रहा है। आरोप लगाया कि दो सालों में 32 कार्यकर्ताओं पर हमले हो चुके हैं। प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा ने कहा कि घृणा फैलाने वाले समाज को गुमराह करने वाले समाज के ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करना जरूरी है। मौके पर महानगर संगठन मंत्री अमित कुमार, अध्यक्ष नवीन गुप्ता, विशाल चौधरी, मंत्री राजेंद्र राजपूत, आशीष बलूनी, प्रभात वर्मा, भूपेंद्र चौधरी, अध्यक्ष आलोक सिन्हा, श्याम शर्मा आदि मौजूद रहे।

एक नजर

बिजली टैरिफ के नाम पर भेदभाव करने का आरोप : वीरू बिष्ट

देहरादून। ऊर्जा निगम द्वारा ग्रामीण व अर्द्धनगरीय क्षेत्र के उपभोक्तओं पर बिजली कटौती में भेदभाव का आरोप लगाते हुए नियामक आयोग से शिकायत की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता वीरु बिष्ट ने नियामक आयोग अध्यक्ष को लिखित शिकायत भेजकर ये कहते हुए उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की है कि जब भी ऊर्जा निगम बिजली की समस्या से जूझता है तो सबसे पहले ग्रामीण व अर्द्धनगरीय क्षेत्रवासियों को घंटों बिजली कटौती के आदेश कर देता है। जबकि शहरी क्षेत्रों को बिजली कटौती से मुक्त रखा जाता है। उन्होंने कहा है कि क्या ऊर्जा निगम ये मानता है कि ग्रामीण व अर्द्धनगरीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली की जरुरत नहीं है, क्या वे बिजली का भुगतान यूपीसीएल के निर्धारित टैरिफ के हिसाब से नहीं करते हैं? तो फिर ये भेदभाव क्यों। ऊर्जा निगम द्वारा बिजली कटौती से उपभोक्ताओं को इसी तरह परेशान किया जाता रहा तो उनके लिए टैरिफ में भी इसी के हिसाब से छूट मिलनी चाहिए। या फिर ऊर्जा निगम कटौती की दूसरी व्यवस्था देखे। अन्यथा क्षेत्र की जनता आंदोलन को बाध्य होगी।

बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शन कर ईई को सौंपा ज्ञापन

देहरादून। प्रेमनगर, मोहनपुर, स्मिथनगर आदि क्षेत्रों में प्रतिदिन सुबह–शाम हो रही बिजली कटौती से नाराज स्थानीय लोगों ने ऊर्जा निगम के मोहननगर डिवीजन में प्रदर्शन कर ईई मोहन मित्तल को ज्ञापन सौंपा है। प्रेमनगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहित ग्रोवर, अनिल ग्रोवर, कुलदीप नरुला आदि ने बताया कि बिजली कटौती पिछले कई दिनों से जारी है। अधिशासी अभियंता मोहन मित्तल से स्थानीय लोगों ने कहा कि, सुबह के वक्त लोगों को ऑफिस जाने, बच्चों को स्कूल जाना होता है। बिजली जाने से आवश्यक कार्य छूट जाते हैं। शाम के वक्त भी बिजली जाने से बोर्ड के एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बाजार में व्यापारियों का काम काज प्रभावित हो रहा है।

राष्ट्रपति को ज्ञापन भेज की जिहादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

नई टिहरी। विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्तओं ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर कथित जिहादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष सुरम सिंह तोपवाल ने कहा कि जिहादी संगठनों से जुड़े लोग देश में भय, घृणा और आतंक का माहौल पैदा करने में लगे हैं।

विहिप के जिला संयोजक यशपाल सिंह ने कहा कि देश में भय और आतंक का माहौल फैलाने के पीछे सिम्मी, पीएफआई आदि संगठनों के नाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने जिहादी विचारधार के संगठनों पर रोक लगाने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में बजरंग दल जिल संयोजक विनित उनियाल, विहिप नगरध्यक्ष केशव नौटियाल, युवराज शाह, आदित्य नेगी, सहिल पंवार आदि मौजूद थे।

शारीरिक और मानसिक ताकत के लिए खेल जरूरीः नेगी

नई टिहरी। कफलोग धार मंडल में आगाज क्रिकेट टूर्नामेंट का प्रताप नगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शारीरिक व मानसिक ताकत के लिए खेल जरूरी हैं। युवाओं को खेलों में व्यवसायिक तत्व को तलाशते हुए खेलना होगा। इस मौके पर विधायक नेगी ने नशे को लेकर भी सचेत रहने अपील करते हुए युवाओं से कहा कि बुरे व्यसनों से बचते हुए शारीरिक क्षमता व दक्षता को बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। इस अवसर पर आगाज क्रिकेट टूर्नामेंट के अध्यक्ष सोबन सिंह, उपाध्यक्ष शेर सिंह, मुख्य संयोजक महावीर सिंह, सरजीत सिंह, दिनेश सिंह, महावीर, धनवीर नेगी आदि मौजूद रहे।

दहेज उत्पीड़न का आरोपी सहारनपुर से गिरफ्तार

रुड़की। दहेज उत्पीड़न के मुकदमे में वांछित चल रहे मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए लक्सर पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश के देवबंद पहुंची। टीम ने वहां की स्थानीय पुलिस के साथ चौंदाहेडी गांव में दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कई समन के बावजूद हाजिर न होने पर कोर्ट ने उसके खिलाफ वारंट जारी किया था।लक्सर की युवती की शादी सहारनपुर के देवबंद कोतवाली के गांव चौंदाहेड़ी निवासी परवेज पुत्र कय्यूम के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से युवती का पति और ससुराल के बाकी लोग कम दहेज लाने का ताना देते हुए उसके ऊपर मायके से नकदी व कार लाने की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं हुई तो उन्होंने मार पीटकर उसे घर से निकाल दिया था। मायके आने के बाद उसने लक्सर कोतवाली में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपी परवेज के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र भेजा था। बाद में कोर्ट ने आरोपी को हाजिर होने के लिए कई बार समन भेजे, पर वह नहीं आया। इसके बाद कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी के वारंट पुलिस को भेजे थे। कोतवाली के एसएसआई अंकुर शर्मा व सिपाही विरेंद्र सिंह देवबंद कोतवाली पहुंचे, और वहां की स्थानीय पुलिस को साथ लेकर आरोपी के घर पर दबिश दी। दबिश में आरोपी घर के भीतर सोता मिला।

क्षेत्रीय डीआई ने की मेडिकल स्टोर संचालकों संग बैठक

मेडिकल स्टोर पर नशे की दवा बेचने पर होगा मुकदमा

रुड़की। क्षेत्रीय डीआई (औषधि निरीक्षक) ने सुल्तानपुर और आसपास के मेडिकल स्टोर संचालकों संग सुल्तानपुर में बैठक की। उन्होंने नशे में प्रयोग होने वाली दवाएं किसी भी सूरत में स्टोर में न रखने की हिदायत दी है। कहा कि अगर किसी के पास ऐसी दवा मिली, तो उस पर सीधा मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवाया जाएगा। डीआई अनिता भारती ने सुल्तानपुर पहुंचकर मेडिकल स्टोर चला रहे लोगों की बैठक ली। बताया कि राज्य सरकार नशाखोरी रोकने के लिए ड्रग्स मुक्त उत्तराखंड अभियान चला रही है। बताया कि कुछ ऐसी दवाइयां हैं, जिनसे नशा होता है। ऐसी दवाओं की आम खरीद बिक्री नहीं की जा सकती है। प्रशिक्षित चिकित्सक के लिखने पर ही इन्हें दिया जा सकता है। कहा कि कुछ जगह मेडिकल स्टोर पर ऐसी दवाइयां बिकने की शिकायत मिल रही है। इसके लिए टीम लगातार छापेमारी कर रही है। चेताया कि किसी स्टोर पर ऐसी दवाएं मिली, तो उस पर मुकदमा दर्ज होगा, साथ ही उसे जेल भी भिजवाया जाएगा। डीआई ने कहा कि कुछ लोग छोटी मोटी बीमारी होने पर डॉक्टर को दिखाने के बजाय मेडिकल स्टोर जाते हैं। मेडिकल स्टोर संचालक उनसे बीमारी पूछकर दवा भी दे रहे हैं।

बच्चे का हत्यारोपी लक्सर कोर्ट से बरी

रुड़की। एडीजे कोर्ट ने छह साल पहले लक्सर के मखियाली खुर्द गांव में 11 साल के बच्चे का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपी को दोषमुक्त करार दिया है। आरोपी का नाबालिग बेटा भी इसी मुकदमे में सह आरोपी था। उसे किशोर न्यायालय ने पहले ही बरी कर दिया था।22 नवंबर 2016 में लक्सर के मखियाली खुर्द निवासी हलीम का 11 साल का बेटा मुराद लापता हुआ था। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर जांच में जुटी थी। चार दिन बाद पुलिस के प्रशिक्षित कुत्ते की मदद से खेत में दबाकर छिपाया गया मुराद का शव मिला था। हलीम ने अज्ञात पर बेटे के अपहरण और हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

पांच दिवसीय बसंतोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया

ऋषिकेश। पांच दिवसीय वसंतोत्सव का आगाज 24 जनवरी को ध्वजारोहण से होगा। पहले दिन दिन साइकिल दौड़, मटकी फोड़ प्रतियोगिता होगी। 26 जनवरी को हृषिकेश नारायण भरत भगवान की डोली यात्रा निकाली जाएगी। बुधवार को झंडा चौक स्थित भरत मंदिर सभागार में आयोजित बैठक में वसंतोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। सफल आयोजन के लिए समितियों का गठन कर जिम्मेदारी सौंपी गई। मेला संयोजक हर्षवर्धन शर्मा ने बताया कि 24 जनवरी को सुबह मेला परिसर में ध्वजारोहण से वसंतोत्सव का शुभारंभ होगा। हरिद्वार रोड पर लोनिवि के सामने से साइकिल दौड़ शुरू होगी। भरत मंदिर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता और सुबह 11.30 बजे छात्र–छात्राओं का कार्यक्रम होगा। शाम को गढ़वाली सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। 25 जनवरी गुरुवार को स्व.महंत अशोक प्रपन्नाचार्य महाराज की स्मृति में रक्तदान शिविर और शाम को समन्वय संस्था की ओर एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 26 जनवरी को हृषिकेश नारायण भरत भगवान की डोली यात्रा निकाली जाएगी। 27 जनवरी को नगर निगम ऋषिकेश कार्यालय परिसर में दंगल प्रतियोगिता होगी। इसका समापन 28 जनवरी को होगा। 28 जनवरी को शाम को कवि सम्मेलन के साथ वसंतोत्सव का समापन होगा।

जनाक्रोश रैली में भरी प्रस्तावित कूड़ा घर के खिलाफ हुंकार

ऋषिकेश। लालपानी बीट गुमानीवाला में ट्रंचिंग ग्राउंड के लिए आंवटित भूमि को लेकर जनाक्रोश थम नहीं रहा है। संघर्ष समिति ने क्षेत्र में जनाक्रोश रैली निकालकर प्रस्तावित कूड़ाघर के खिलाफ हुंकार भरी। आक्रोशित लोगों ने चेताया कि एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान नहीं किए जाने पर वित्त मंत्री का घेराव करेंगे। बुधवार को गुमानीवाला में प्रधान दीपिका व्यास के नेतृत्व में कूड़ा घर के विरोध में जनाक्रोश रैली निकाली गई। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए अमित ग्राम शहीद स्मारक पहुंची, यहां जनसभा आयोजित की गई। जनसभा में आक्रोशित लोगों ने लालपानी बीट में कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाए जाने का पुरजोर विरोध किया। कहा कि यदि यहां पर ऋषिकेश, हरिद्वार और आसपास क्षेत्रों का कूड़ा डाला गया तो ग्रामीण उसकी खिलाफत करेंगे। मौके पर मौजूद पूर्व जैव वैज्ञानिक विजय भट्ट ने कहा कि जिस स्थान पर कूड़ा डंप किया जाता है, उस क्षेत्र का पर्यावरण प्रदूषित होता है। साथ ही पीने का पानी भी दूषित हो जाता है। यह मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। नगर निगम पार्षद विपिन पंत और विजेन्द्र मोघा ने प्रस्तावित कूड़ाघर के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि एक सप्ताह के अंदर समस्या का समाधान नहीं होने पर वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का घेराव करेंगे।

यातायात नियमों का शत प्रतिशत पालन जरूरी

देहरादून। 33वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह पर संजय ऑर्थोपीडिक स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर जाखन की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ ऑर्थोपीडिक एवं स्पाइन सर्जन पद्म डॉ. बीकेएस संजय ने बताया कि उन्होंने अपने एक शोध में पाया है कि 90 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं वाहन चालक की लापरवाही के कारण होती हैं और लापरवाही एक व्यवहारिक समस्या है, जिसके ऊपर सभी नीति–निर्माताओं और समाज के प्रबुद्धजनों जागरूक होने की जरूरत है। वाहन चालक के व्यवहार में बदलाव लाना होगा। यातायात नियमों का शत प्रतिशत पालन भी जरूरी है। डॉ. गौरव संजय वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और हेलमेट पहनने पर जोर दिया।

सिविल अस्पताल में लगने लगी बूस्टर डोज

रुड़की। सिविल अस्पताल में कोरोना से बचाव को लेकर वैक्सीनेशन शुरू हो गया है। करीब एक महीने से वैक्सीन का इंतजार हो रहा था। बुधवार को 30 लोगों को कोरोना से बचाव को बूस्टर डोज लगाई गई है। कोरोना की चौथी लहर आने की आशंका को देखते हुए लोग कोरोना से बचाव को लेकर बूस्टर डोज लगवाने के लिए अस्पताल पहुंच रहे थे। लेकिन अस्पताल में करीब एक महीने से कोविशील्ड वैक्सीन खत्म थी। हालांकि को–वैक्सीन लगाई जा रही थी। लेकिन अधिकांश लोगों को पहली और दूसरी डोज के रूप में कोविशील्ड वैक्सीन लगी थी। इसी के चलते कोविशील्ड वैक्सीन की अधिक मांग थी। अस्पताल प्रबंधन की ओर से लगातार वैक्सीन की मांग की जा रही थी। सिविल अस्पताल रुड़की के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय कंसल ने बताया कि मंगलवार शाम को कोविशील्ड वैक्सीन की ढाई हजार डोज अस्पताल में पहुंच गई थी।

स्वस्थ एवं बाल हितैषी गांव थीम की जानकारी दी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला पंचायत सदस्यो के लिए आयोजित सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण एवं ग्राम पंचायत विकास योजना विषय पर आयोजित कार्यशाला में स्वस्थ एवं बाल हितैषी गांव थीम की जानकारी दी गई। जिला पंचायत सभागार में आयोजित प्रशिक्षण के दूसरे दिन आरडीआई संस्था के विवेक आनंद ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता के साथ-साथ ग्राम पंचायत विकास योजना की अवधारणा को लेकर जानकारी दी। आरडीआई के उपनिदेशक डा. राजीव बिजल्वाण ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थायीकरण के महत्व एवं उददेश्यों की विस्तार से जानकारी दी गई। आरडीआई समवंयक रवींद्र शर्मा ने स्वस्थ एवं बाल हितैषी गांव थीम की जानकारी दी। इस मौके पर कमल जोशी, लीला उनियाल, यशपाल बुटोला आदि शामिल रहे।

जीवन में अपना लक्ष्य तय करें विद्यार्थी : ऋतु

एक से पांच तक के विद्यार्थियों को दिए गए डेस्क किट व पानी की बोतल राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। इस भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी शिक्षक पर होती है। इसके लिए गुरुजनों को पूरी मेहनत से बच्चों को शिक्षित बनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से भी अपने गुरुजनों की बातों को मानते हुए जीवन में लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विस अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को डेस्क किट व पानी की बोतल वितरित की।

बुधवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कोटद्वार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को ओएनजीसी की ओर से भेजे गए डेस्क किट व पानी की बोतल दी गई गई। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि नई शिक्षा नीति नए भारत का निर्माण करेगी। पहले बच्चे को रटाकर याद किया जाता था। लेकिन, अब बच्चे चीजों को उदाहरण के साथ बेहतर तरीके से समझते हैं। उन्होंने बच्चों को अपना जीवन में अपना लक्ष्य तय कर पूरी मेहनत से उसे पाने में जुटने की भी सीख दी। कहा कि शिक्षकों को बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करना चाहिए। कहा कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद बच्चों को बेहतर शिक्षा ग्रहण करने का मौका मिला है।

आज बच्चे अपनी मर्जी से अपनी मनचाही भाषा में पढ़ाई कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शहर के प्राथमिक विद्यालय व जूनियर हाईस्कूल के बच्चों को डेस्क किट व पानी की बोतल वितरित की। इस दौरान जूनियर हाईस्कूल पदमपुर के बच्चों ने फास्टफूड से शरीर पर होने वाले दुष्परिणामों को लेकर नाटक प्रस्तुत किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि ओएनजीसी की देहरादून हेड आरएस नारायणी, उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी मधवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष अयाजुद्दीन, प्रधानाचार्य सुनीता वीरेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के राजकीय बालिका इंटर कालेज में बच्चों को डेस्क किट व पानी बोतल वितरित करती विस अध्यक्ष

स्वयं सेवियों ने मेला स्थल पर चलाया अभियान

इंटर कालेज परसुखंडाल में स्वच्छता अभियान चलाते स्वयं सेवी

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : इंटर कालेज परसुंडाखाल के स्वयंसेवियों ने मकरैण मेला स्थल में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

कुछ दिन पूर्व राजकीय इंटर कालेज परसुंडाखाल के खेल मैदान में मकरैणी मेले का आयोजन किया गया था। मेला समाप्त होने के बाद इंटर कालेज के स्वयंसेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाते हुए मैदान को साफ किया। मेले के दौरान स्कूली बच्चों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी थी। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था। मकरेणी मेला समिति पैडलस्यू के अध्यक्ष कुलदीप रावत ने भी स्वयं सेवियों के कार्यो की प्रशांस की। विद्यालय के प्रधानाचार्य विमल चंद्र सिंह नेगी ने बताया कि समाज को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यालय की ओर से समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी सुरजीत नेगी, डा.एमएस नौडियाल, अजीत रावत, शैलेंद्र, विनोद नेगी, विजेंद्र नेगी आदि मौजूद रहे।

ट्यूमर मार्कर मशीन व चिकित्सकों के आवास का हुआ लोकार्पण

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने बेस अस्तपाल में किया लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने ट्यूमर मार्कर मशीन व चिकित्सकों के आवासीय ब्लॉक का लोकार्पण किया। कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करवाने के प्रयास कर रही है। इसके लिए अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के लिए कई मशीनें भी उपब्ध करवाई जा रही हैं।

बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष ने अस्पताल परिसर में बने चिकित्सकों के आवासीय ब्लाक बी के साथ ही टयूमर मार्कर मशीन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बड़े शहरों की दौड़ न लगानी पड़े, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल में बीमारियों की जांच के लिए हरसंभव मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। कहा कि ट्यूमर मार्कर मशीन के माध्यम से थायराइड, कैंसर आदि बीमारियों की पहचान खून जांच से ही की जा सकती है। इस मौके पर सीएमएस डा.एके तिवारी, डा.प्रवीण कुमार, डा.बीसी काला आदि मौजूद रहे।

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में चिकित्सकों के आवासीय ब्लॉक का लोकार्पण करती विस अध्यक्ष

कोटद्वार में क्षेत्रीय प्रबंधक पद पर स्थायी तैनाती की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः वन विकास निगम कर्मचारी संगठन ने कोटद्वार में क्षेत्रीय प्रबंधक पद पर स्थायी तैनाती की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को ज्ञापन दिया।

संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष दलवीर सिंह रावत, मंत्री नैन सिंह सौंद ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को ज्ञापन दिया। बताया कि अब तक वन विकास निगम गढ़वाल क्षेत्र कोटद्वार में क्षेत्रीय प्रबंधक पद पर स्थायी तैनाती नहीं की गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक टिहरी के पास कोटद्वार के साथ गढ़वाल क्षेत्र के अतिरिक्त कई प्रभार हैं। ऐसे में निगम के कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कहा कि जब तक प्रबंधक पद पर स्थायी तैनाती नहीं की जाती, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत वन विकास निगम के हित में अविलंब क्षेत्रीय प्रबंधक पश्चिमी क्षेत्र को गढ़वाल क्षेत्र का कार्यभार दिया जाएं। कहा कि वन विकास निगम का मुख्य कार्य सूखे, ऊखड़े, गिरे–पेड़ व रूग्ण प्रकाष्ठ विदोहन का है। लेकिन, वर्तमान में वन विभाग के द्वारा वर्किंग प्लान से हट कर विचलन/समिति के माध्यम से छपान कार्य में कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नतीजा, वन विकास निगम के पास कार्य अत्यधिक कम हो गया है। इस दिशा में उच्च स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

पूर्व सैनिक को चरस बेचने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार निवासी पूर्व सैनिक को चरस बेचने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने 1.20 ग्राम चरस व 66 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों ने दो दिन पूर्व चरस के साथ गिरफ्तार हुए पूर्व सैनिक को 90 हजारु रुपये में डेढ़ किलो चरस बेची थी।

वरिष्ठ उपनिरीक्षक जगमोहन रमोला ने बताया कि दो दिन पूर्व कोटद्वार निवासी पूर्व सैनिक कमलेश खंतवाल को डेढ़ किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में पूर्व सैनिक ने बताया था कि उसने रूद्रप्रयाग से कोटद्वार पहुंचे चार व्यक्तियों से 90 हजार रुपये में चरस खरीदी थी। इसके बाद पुलिस उक्त व्यक्तियों की तलाश में जुट गई थी। बताया कि बुधवार को पुलिस को नजीबाबाद से कोड़िया की ओर आ रही एक तेज रफ्तार कार दिखाई दी। पुलिस ने रोककर कार तलाशी ली तो कार से 1.20 किग्रा चरस बरामद हुई। साथ ही 66 हजार रुपये की नकदी भी बरादम हुई। पुलिस ने कार में सवार जनपद रूद्रप्रयाग के अंतर्गत गौरीकुंड निवासी अनूप गोस्वामी, प्रदीप गोस्वामी, गुलाबराय व प्रशांत गुसाईं को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने रूद्रप्रयाग के ग्राम कोटया निवासी एक व्यक्ति से दो किलोग्राम चरस खरीदी, जिसमे से एक किलो चरस उन्होंने नब्बे हजार रुपये में कमलेश खंतवाल को बेची। कमलेश से उनकी पहचान आमपड़ाव निवासी जावेद नाम के व्यक्ति ने करवाई थी। जावेद पूर्व में गाड़ी चलाता था। इसी दौरान उनकी रूद्रप्रयाग में उससे पहचान हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपितयों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही उनकी कार को भी सीज कर दिया गया है।

कोटद्वार में पुलिस हिरासत में पकड़े गए चरस तस्कर

उक्रांद ने जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने चंडी प्रसाद बड़थ्वाल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। आयोजित शोक सभा में सदस्यों ने बताया कि स्व.चंडी प्रसाद बड़थ्वाल उक्रांद के जनपद कोटद्वार के अध्यक्ष मुकेश बड़थ्वाल के पिता था। सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने वालों में यूकेडी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डा. शक्ति शैल कपरवाण, जग दीपक सिंह रावत, रामप्रसाद डोबरियाल, महेंद्र सिंह रावत, पितृ शरण जोशी, हरीश द्विवेदी, गुलाब सिंह रावत, हयात सिंह गुसाईं, सर्वेन्द्र काला, विनय भट्ट, विनोद चौधरी आदि मौजूद थे।

डीएम ने किया बैठक से नदारद अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने वन भूमि हस्तांरण की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब किया। उन्होंने निर्देशित किया कि जो मोटर मार्ग भूमि हस्तांतरण की वजह से लंबित हैं उन प्रकरणों का त्वरित समाधान करें। कहा कि जिन मार्गो की सैद्धांतिक स्वीकृत हो चुकी है उनकी सूची बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

वन पंचायतों में बस्ता हस्तांतरित एवं वन भूमि हस्तांतरण की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों व डीएफओ को निर्देशित किया कि बस्ते हस्तांतरण के आंकड़ों में आ रही भिन्नता को शीघ्र ही दूर करें। उन्होंने उपजिलाधिकारी व डीएफओ को अपने स्तर पर बैठक आयोजित कर बस्ते हस्तांतरण की अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। ताकि जनपद स्तर पर सही आंकड़े एकत्रित किये जा सकें। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति बढ़ाने के लिए वन विभाग के समन्वय से भूमि हस्तांतरण प्रकरणों को तथा राजस्व विभाग व अन्य संबंधित संस्थानों से इस संबंध में की जाने वाली कार्यवाही पर तेजी लाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर डीएफओ केएन भारती, उपजिलाधिकारी सदर आकाश जोशी, एसडीओ लक्की, अधिशासी अभियंता लोनिवि पाबौ केएस नेगी, लैंसडौन पीएस बिष्ट, बैंजरों विवेक सेमवाल सहित अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार से काम-काज प्रभावित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायतराज विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग के एकीकरण के विरोध में पंचायतीराज विभाग के कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार बुधवार को भी जारी रखा। कार्य बहिष्कार के कारण परिवार रजिस्टर, जन्म मृत्यु पंजीकरण, राशनकार्ड, समाज कल्याण पेंशन संबंधी कार्य पूरी तरह बाधित रहे। नैनीडांडा ब्लॉक कार्यालय पर राकेश चौधरी, रेवा ध्यानी, सुरेश कोहली, नैनसी, फुरकान अली, नवीन राणा, रवि सैनी, इंद्रजीत नेगी, बृजेश शर्मा, शंकर सुंद्रियाल, अजीत कुमार, दीपक, विजय रावत आदि कर्मचारी कार्य बहिष्कार पर रहे। इस दौरान बीडीओ यशोधर प्रसाद डोभाल के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजकर समाधान करने की मांग की गई।

ब्लॉक प्रमुख ने किया शहीद मूर्ति सिंह की प्रतिमा का अनावरण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के राजस्व गांव कपरोली कड़ाकोट में 1971 में भारत-पाकिस्तान के युद्ध के शहीद नायक मूर्ति सिंह की प्रतिमा का अनावरण ब्लॉक प्रमुख कीर्तिनगर सोबन सिंह पंवार ने किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने उनकी शहादत को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के शुभारंभ पर राइंका कपरोली की छात्राओं ने स्वरस्वती वंदना व लोक गायन रोशन लाल व दीपक की टीम ने शानदार लोग गीतों की प्रस्तुति दी।

मौके पर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सोबन सिंह पंवार ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके पद चिह्नों पर चलकर मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वस्व न्योछावर करें। ग्राम प्रधान कपरोली सुनील कुमार ने कहा कि शहीद मूर्ति सिंह की शहादत को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया गया है। कहा ग्राम पंचायत कपरोली से 60 से अधिक सैनिक देश सेवा में है जो गांव के लिए गर्व की बात है। संचालन दिनेश सिंह ने किया। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण कीर्ति नगर टिहरी प्रतिनिधि कुंवर नेगी, खंड शिक्षा अधिकारी डा. वाईएस नेगी, प्रधानाचार्य उमेश सिंह रावत, तहसीलदार सुनील राज, जिला पंचायत सदस्य खोला दुर्गा रावत, सुभागा देवी, गंभीर सिंह, दिनेश सिंह, पूर्व सैनिक केशर सिंह, जोत सिंह, हुकम सिंह, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

विद्यालय की ओर से सम्मानित किए गए विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता खेल महाकुंभ 2022 के अंतर्गत युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षा दल विभाग (शिक्षा खेल एवं पंचायती राज विभाग) एवं मलखंब एसोसिएशन उत्तराखंड द्वारा हरिद्वार में आयोजित राज्य स्तरीय मलखंब चैंपियनशिप में रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छः छात्र-छात्राओं ने देहरादून में प्रशिक्षण के पश्चात मलखंब प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभागी छात्रों कृतिका कुकरेती, सानिधि, माही, अमृता सैनी, गोलू कुमार और व्योम लखेड़ा की इस उपलब्धि पर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य लोकेंद्र अंथवाल ने छात्र छात्राओं को सम्मानित किया एवं उनको प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बॉडी ऑन कैमरा के साथ तैनात रहे चीला पुलिस : एसएसपी

रेगुलर पुलिस में शामिल गांवों में लगातार गश्त और पेट्रोलिंग करेगी पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने बुधवार को जिले के सभी थानों के अधिकारियोंके साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी थानों के थानाध्यक्ष से उनके क्षेत्र में होने वाले अपराधों के बारे में चर्चा की। एसएसपी ने कहा कि राजस्व पुलिस से रेगुलर पुलिस में शामिल गांवों में अब रेगुलर पुलिस लगातार गश्त करेगी। कहा कि आम जनता की शिकायत पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने थानाध्यक्षों को लंबित मामलों का जल्द से जल्द निराकरण करने और अपराध पर रोक लगाने के आदेश दिये। उन्होंने समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थानों में नियुक्त चीता पुलिस कर्मियों को अपनी वर्दी के साथ बॉडी ऑन कैमरा रखने हेतु निर्देश दिये। एसएसपी ने पुलिस कर्मियों की समस्याएं भी सुनी।

क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानाध्यक्षों को संबोधित करते हुए एसएसपी श्वेता चौबे ने कहा कि थाना पहुंचने वाले लोगों के साथ शिष्ट व्यवहार करें। साथ ही बीट आरक्षी को बीट पुलिसिंग में सुधार करने, बीट रजिस्टर बनाने, बीट क्षेत्र की सम्पूर्ण जानकारी के साथ-साथ आमजन के साथ बेहतर समन्वय बनाये रखने हेतु निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में पुलिस मुख्यालय स्तर पर ईनामी/वांछित अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी एवं अभियुक्त गणों द्वारा अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति की जब्तीकरण सम्बन्धी अभियान प्रचलित है। उक्त अभियान के क्रम में विगत माह तक 7 ईनाम घोषित अपराधियों एवं विभिन्न अभियोगों में वांछित 20 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। एसएसपी ने शेष अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने, मादक पदार्थों में गिरोह बनाकर तस्करी करने वाले अपराधियों के विरूद्ध गैगस्टर एक्ट की कार्यवाही कर उनकी सम्पत्ति कुर्क करने एवं आद्यतन अपराधियों के विरूद्ध गुण्डा एक्ट की कार्यवाही कर उनको जिला बदर करने हेतु निर्देशित किया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द्र सुयाल, अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला, पुलिस उपाधीक्षक कोटद्वार गणेश लाल कोहली, पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर श्यामदत्त नौटियाल, पुलिस उपाधीक्षक सदर पौड़ी प्रेमलाल टम्टा, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन विभव सैनी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन अनुराग कुमार, रेडियो निरीक्षक मनोज पाण्डे, आशु लिपिक अमर सिंह राणा, वाचक उमेश कुमार, पीआरओ मुकेश गैरोला सहित समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

एसएसपी ने उत्कृष्ट कार्य करने पर इन्हें किया सम्मानित

पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल एसएसपी श्वेता ने माह दिसम्बर 2022 में जनपद स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर उपनिरीक्षक जयपाल सिंह चौहान साईबर सेल कोटद्वार, मुख्य आरक्षी निरंजन कुमार थाना थलीसैण, लीडिग फायरमेन अनसूया प्रसाद फायर स्टेशन कोटद्वार, आरक्षी हेमन्त, आरक्षी लवकेश थाना कोटद्वार, आरक्षी मुकेश जोशी, आरक्षी महिपाल सिंह, चंद्र सिंह थाना लक्ष्मणझूला, महिला आरक्षी प्रियंका थाना पैठाणी, आरक्षी अमरजीत सीआईयू कोटद्वार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही ग्राम प्रहरी प्रेम राम थाना थलीसैण को पुलिस का सहयोग करने पर एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल एसएसपी श्वेता चौबे क्राइम मीटिंग लेते हुए।

वैज्ञानिक कारणों का गहन अध्ययन करना अति आवश्यक

अल्मोड़ा : संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें हिमालयी क्षेत्र में औषधीय पादपों की विविधता एवं महत्व के बारे में बताया गया। वेबिनार के माध्यम से आयोजित कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के 90 छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं और संस्थान के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। बुधवार को आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि खडं शिक्षा अधिकारी कोटाबाग अशुल बिष्ट ने छात्र–छात्राओं को विद्यालय परिसर में औषधीय पादपों की नर्सरी तैयार करने और उनके उपयोगों के विषय पर जानकारी एकत्रित करने एवं भविष्य में पर्यावरण संस्थान से सहयोग लेने की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. केएस कनवाल ने जलवायु परिवर्तन में जैव विविधता पर होने वाले दुष्प्रभावों, ह्रास आदि विषयों पर जानकारी दी।

सरकार का निर्णय मील का पत्थर होगा साबित

अल्मोड़ा : ग्रामीण क्षेत्र में संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु ग्राम पंचायत विकास अधिकारी तथा ग्राम पंचायत विकास अधिकारी में से किसी एक ही अधिकारी द्वारा समस्त योजनाओं के वित्तीय एवं प्रशासनिक दायित्व के निर्वहन किए जाने संबंधी आदेश का ब्लाक प्रमुख भैसियाछाना ने स्वागत किया है। ब्लाक प्रमुख खुशबू पांडे ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को लिखे ज्ञापन में कहा है कि दोनों पद धारकों की अलग-अलग तैनाती के कारण 9 वर्षों से ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी के रूप में योजनाओं की पहुंच को सुनिश्चित किए जाने हेतु शत–प्रतिशत सकारात्मक उपयोग नहीं हो पा रहा था।

महिलाओं को दी कानूनी जानकारी

अल्मोड़ा : बाल अधिकारों पर संवेदीकरण के संबंध में अल्मोड़ा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला जारी है। बुधवार को विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यशाला में यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर संवेदीकरण पर तमाम जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ डीडीओ केएन तिवारी ने किया। इस दौरान प्रशासन अकादमी नैनीताल की मास्टर ट्रेनर डॉ. मंजू ढोंढियाल और पूनम पाठक ने महिलाओं से जुड़े इस कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने इस कानून के तहत यौन उत्पीड़न के प्रकारों के बारे में भी बताया। इस मौके पर मुख्य कोषाधिकारी हेमेंद्र गंगवार समेत अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। (एजेंसी)

पेंशन के आवदेन जमा करने को भटक रहे लोग, लापरवाही का लगाया आरोप

पिथौरागढ़ : कनालीछीना विकासखंड में समाज कल्याण विभाग की ओर से दी जाने वाली पेंशनों के आवेदन जमा करने को ग्रामीण भटक रहे हैं। विभाग की ओर से आवेदन जमा करने को लेकर कोई व्यवस्था न होने से लोग परेशान हैं। उन्होंने विभाग पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

बुधवार को देवलथल निवासी पीएलवी सुरेंद्र सिंह बसेड़ा ने जिला मुख्यालय पहुंचकर डीएम रीना जोशी को ज्ञापन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देवलथल के लोग पेंशन के आवेदन जमा करने को कनालीछीना विकासखंड कार्यालय आते हैं। लेकिन वहां आवदेन जमा करने की कोई व्यवस्था नहीं है। समाज कल्याण का कार्य देख रहे कर्मचारी उनसे संबंद्ध विभाग नहीं है कहकर आवदेन जमा नहीं कर रहे हैं। लोग दूर–दूर गांवों से आवेदन लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन बैरंग ही वापस लौटते हैं। इन दिनों डिस्पैच में आवेदन जमा करने की व्यवस्था की गई है। लोग आवेदन जमा कर रहे हैं, लेकिन आवेदनों का उन्हें कोई लाभ नहीं हो रहा है। आवेदन विभाग तक पहुंच भी रहे हैं या नहीं इसका कुछ पता नहीं है। कहा सरकारी तंत्र की इस लापरवाही के कारण कई लोगों को पेंशन योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। बसेड़ा ने डीएम से व्यवस्थाओं में सुधार लाने की मांग की है। ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं को लाभ मिल सके। (एजेंसी)

चौखुटिया में कृषि महोत्सव 10 फरवरी से

अल्मोड़ा : गेवाड़ कृषि एवं सांस्कृतिक महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। तीन दिवसीय मेले का आयोजन आगामी दस फरवरी से होगा। बुधवार को मेला समिति की अध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख किरण बिष्ट और समिति के सदस्यों ने विधायक मदन सिंह बिष्ट से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने गेवाड़ कृषि एवं सांस्कृतिक महोत्सव के लिए विधायक निधि से पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। इस मौके पर प्रधान संगठन के किशोर शर्मा, सुरेंद्र सिंह संगेला, हीरा बिष्ट, नंदन सिंह समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

चालकों का नेत्र परीक्षण हुआ

पिथौरागढ़ : जनपद में पुलिस का 33वां सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण हुआ। नगर के जिला अस्पताल में बीते रोज पुलिस की ओर से नेत्र शिविर का आयोजन किया। इस दौरान डॉ. बृजवाल ने बारी–बारी से वाहन चालकों की जांच की। जांच के दौरान एक्का–दुक्का वाहन चालकों में नेत्र समस्या पाई गई। यहां पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन परवेज अली, एआरटीओ किशन चन्द्र पलड़िया, एसआई दरबान सिंह मेहता, एसआई कौशल नरेश शाह, कांस्टेबल अरविन्द जोशी, विपिन बोहरा, एचजी रहमान, परिवहन विभाग के कांस्टेबल दिलीप सिंह, शिव बहुगुणा, रवि सिंह, अमित उप्रेती आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

छात्रसंघ ने हेलीकॉप्टर सेवा का किया विरोध

बागेश्वर : डिग्री कालेज परिसर के खेल मैदान से उत्तरायणी मेले में हेलीकॉप्टर से हवाई सफर कराए जाने से छात्र संघ नाराज हो गया है। छात्रसंघ पदाधिकारियों ने बिना कॉलेज प्राचार्य की सहमति के हेलीकॉप्टर सेवा संचालित किए जाने पर अपना विरोध दर्ज किया। उन्होंने बिना कॉलेज प्राचार्य की अनुमति के पालिका और जिला प्रशासन द्वारा हेली सेवा के संचालन किए जाने को गलत बताया। साथ ही छात्र संघ और कॉलेज प्राचार्य की सहमति के हेलीकॉप्टर सेवा को बंद कराने की मांग की। छात्रों ने नाराज होकर छात्रसंघ अध्यक्ष के नेतृत्व में डिग्री कालेज मैदान के समीप धरना दिया, वही हेली सेवा डिग्री कालेज मैदान से अन्यत्र कराए जाने की मांग की, नाराज छात्रो को धरने से हटाने के लिए कोतवाल कैलाश नेगी दलबल के साथ धरना स्थल पहुँचे। उन्होंने धरना दे रहे छात्रों को मेले में अनावश्यक व्यवधान नही डालने शांति पूर्वक अपनी बात रखने की अपील की। वही विरोध के बादउपजिलाधिकारी भी मौके पर पहुँचे। छात्र संघ पदाधिकारियो ने हेली सेवा के कुल किराए का चालीस फीसदी भुकतान की मांग की। जिसके बाद जिला प्रशासन की टीम ने नाराज छात्रों को मनाने की कोशिश की। इस दौरान छात्रसंघ अध्यक्ष आशीष कुमार,उपाध्यक्ष दीपांशु, नेहा,सचिव कमलेश कुमार, कोषाध्यक्ष दर्शन उपसचिव चाहत थापा, जोशी, सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। (एजेंसी)

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

अल्मोड़ा : सोमेश्वर में श्री हरि लक्ष्मी सेवा संस्थान द्वारिका दिल्ली के सौजन्य से गांधी आश्रम चनौदा के परिसर में जरूरतमंदों को कंबल बांटे। संस्था के संस्थापक केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक बीके उप्रेती की मौजूदगी में कंबल बांटे गए। रिटायर्ड शिक्षक कमल सिंह भाकुनी ने ह्यनर सेवा को नारायण सेवाह्व बताया। कहा कि संस्था एक दशक से भी अधिक समय से निराश्रितों, असहाय जरूरतमंदों को मदद कर रही है। इस मौके पर शंकर बोरा, आनंद सिंह भाकुनी, राजेंद्र सिंह राणा, कमल भाकुनी, राजेंद्र जोशी आदि रहे। (एजेंसी)

शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार

पिथौरागढ़ : सीमांत में पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद लोग शराब पीकर वाहन संचालित करना नहीं छोड़ रहे हैं। पुलिस ने एक और व्यक्ति को शराब के नशे में वाहन सड़क में दौड़ाते हुए पकड़ा है।

चंडाक चौकी प्रभारी दिनेश चंद्र सिंह के नेतृत्व में बीते रोज पुलिस ने चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने नाकोट निवासी मनोज कुमार को शराब पीकर वाहन संचालित करते हुए पकड़ा। पुलिस ने उक्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन सीज किया है। (एजेंसी)

भाकपा माले आज करेगी धरना प्रदर्शन

अल्मोड़ा : भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य और अल्मोड़ा जिला प्रभारी कामरेड आनंद सिंह नेगी ने जारी बयान में कहा है कि धंसते जोशीमठ की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। उन्होंने कहा इस आपात स्थिति में प्रधानमंत्री को सीधे हस्तक्षेप कर रेस्क्यू ऑपरेशन को जोशीमठ संघर्ष समिति के साथ ताल मेल मिलाते हुए सीधे अपने हाथ में लेकर युद्ध स्तर पर राहत कार्य को अंजाम देना चाहिए। ताकि राहत कार्य में बना गतिरोध अविलंब दूर हो सके। जोशीमठ के समग्र, उचित और सम्मानपूर्ण पुनर्वास की गारंटी की मांग को लेकर जोशीमठ की जनता के साथ एकजुटता में भाकपा माले आज 19 जनवरी को भिकियासैंण तहसील मुख्यालय सहित पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन करेगी। साथ ही प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। (एजेंसी)

भाजपाईयों ने मरीजों को बांटे फल

चम्पावत : सीएम पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी के जन्मदिन पर चम्पावत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मरीजों को फल वितरित किए। बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल पहुंचकर सभी वार्डों के मरीजों को फल वितरित करके उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने मरीजों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। यहां भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्याम नारायण पांडेय, हरीश पांडेय, मोहन सिंह अधिकारी, गोविंद सामंत, कपिल खर्कवाल, सुनील पुनेठा, शैलेंद्र बोहरा, रोहित बिष्ट, विकास साह, भीम सिंह तड़ागी, अमर सिंह बोहरा समेत अन्य कार्यकर्ता रहे। (एजेंसी)

पालिका स्वच्छता को लेकर सजग नहीं

पिथौरागढ़ : आमजन को सफाई का पाठ पढ़ाने वाली नगर पालिका स्वच्छता को लेकर सजग नहीं है।

नगरपालिका ने कबाड़ हो चुके कूड़ेदानों को चंडाक मार्ग किनारे डंप लगा दिया है, इससे लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंडाक पर्यटक स्थल है। जनपद के अलावा मैदानी क्षेत्रों से भी यहां पर्यटक पहुंचते हैं।

ऐसे में सड़क किनारे क्षतिग्रस्त कूड़ेदानों का ढेर यहां की खूबसूरती बिगाड़ रहा है। कहा लंबे समय से कूड़ेदान यहां डंप पड़े हुए हैं, लेकिन नगरपालिका इन्हें हटाने को लेकर कोई पहल नहीं कर रही है। (एजेंसी)

एकीकरण के विरोध में उतरे ग्राम पंचायत विकास अधिकारी

चम्पावत : कार्यात्मक एकीकरण के विरोध में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एसोसिएशन चम्पावत ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। उन्होंने सरकार से इस प्रणाली को खत्म करने की मांग की है। बुधवार को ग्राम पंचायत अधिकारियों ने एसोसिएशन अध्यक्ष शिवांशु वर्मा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारियों ने कहा कि कार्यात्मक एकीकरण की व्यवस्था, जो कि 1999 में ग्राम पंचायतों में लागू थी। इसके विरोध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। जिसके बाद न्यायालय ने इस व्यवस्था को समाप्त करने के आदेश दिए थे। आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद सरकार की ओर से इस प्रणाली को ग्राम पंचायतों में थोपा जा रहा है। कहा कि यह प्रणाली कर्मचारियों की पदोन्नति में बाधा बनती है। जबकि उच्चाधिकारियों के लिए यह लागू नहीं किया जा रहा। वीपीडीओ ने इस पर कड़ा एतराज जताकर प्रदर्शन किया। उन्होनें कहा कि जब तक सरकार इस कार्यात्मक एकीकरण की व्यवस्था को वापस नहीं लेती, वह कार्य बहिष्कार पर डटे रहेंगे। प्रदर्शन करने वालों में उमेद राम, कौशल पांडे, रविंद्र सिंह, प्रेम चंद, अश्विन सागर, अनिरुद्ध पुनेठा, एलएम पांडे, दिनेश सिंह बिष्ट, दीपक जोशी, संगीता आर्या, दीपक चंद रहे। (एजेंसी)

सड़क के पुनर्निमाण करने की मांग उठाई

चम्पावत : पूर्वी बिचई मनिहारगोठ के ग्रामीणों ने सड़क का पुनर्निर्माण किए जाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में सीएम कैंप कार्यालय के माध्यम से सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा है। बुधवार को पूर्वी बिचई के कुछ ग्रामीणों ने टनकपुर सीएम कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि मनिहारगोठ में सरकारी सस्ता गल्ला के पास से एक मार्ग पूर्वी बिचई को जाता है। कहा इस मार्ग में पूर्वी बिचई के सभी ग्रामीणों का आवागमन लगा रहता है। लेकिन पिछली बरसात के दौरान यह मार्ग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जिस कारण ग्रामीणों को आवागमन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा दो पहिया वाहनों की काफी बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

2025 तक प्रदेश में 50 प्रतिशत आर्गेनिक खेती का लक्ष्य : जोशी

काशीपुर। प्रदेश के कृषि मंत्री एंव जिले के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश में आर्गेनिक खेती की मांग बहुत है। वर्ष 2025 तक राज्य में 50 प्रतिशत आर्गेनिक खेती का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही सरकारी सस्ता गल्ले की दुकानों में एक किलो मडुवा देने पर भी विचार किया जा रहा है। बुधवार को जिले के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी मंडी समिति गेस्ट हाउस में पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश के बाद उत्तराखंड में सबसे ज्यादा सेब का उत्पादन होता है। पहले बिचौलियों का तो फायदा होता था, लेकिन किसान खुद को ठगा महसूस करा था। जिसको उन्होंने मंडियों के माध्यम से दूर किया है। सरकार किसानों की आय दोगुनी करने को लेकर कटिबद्ध है। इसी के चलते अब जल्द ही सस्ता गल्ला के माध्यम से एक किलो मडुआ देने का निर्णय सरकार लेने जा रही है। जिससे किसानों को मडुआ खेती का सही मूल्य मिल पायेगा। कहा कि आज का समय आर्गेनिक खेती का है। अभी प्रदेश के कृषि क्षेत्र में 34 प्रतिशत आर्गेनिक खेती हो रही है।

जसपुर में प्रभारी मंत्री से की अफसरों की शिकायतें

काशीपुर। देहरादून से काशीपुर जा रहे प्रभारी मंत्री गणेश जोशी से लोगों ने तहसील के रजिस्ट्रार कानूनगो, दरोगा, जेई की कार्यप्रणाली की शिकायतें की।

इससे पहले एक रेस्टोरेंट पर सरवन सिद्धू ने प्रभारी मंत्री एवं जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा को अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। यहां पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, ज्येष्ठ प्रमुख गुरताज भुल्लर, मनोज पाल, सुरेंद्र सिंह, ब्रजवीर चौधरी, डॉ. शिवकिशोर, रणवीर सिंह, राजकुमार गुंबर, नवीन अग्रवाल, ब्रजेश चौहान, निप्पल प्रधान, सुधीर विश्नोई, विनोद प्रजापति, अंकुर सक्सेना, अनिल नागर आदि रहे।

शक्तियों के गलत इस्तेमाल से तानाशाही का दृष्टिकोण जन्म लेता है : बंशीधर भगत

हल्द्वानी। लोकतंत्र सेनानी मंच ने पीलीकोठी में संगोष्ठी का आयोजन कर आपातकाल दौर को याद किया। मुख्य अतिथि विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि व्यक्तिगत हितों से ऊपर राष्ट्र सर्वोपरी है। शक्तियों का गलत इस्तेमाल से तानाशाही का दृष्टिकोण जन्म लेता है। जिससे विकास बाधित होता है और आम नागरिक अपने अधिकारों से वंचित होते हैं। आपात काल में जेल गए दूधनाथ सिंह ने उस दौर में लोकतंत्र बचाने को किए संघर्ष को याद कर कहा, जल्द ही इन्हें स्मारिका के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। सेनानी संघ के प्रदेश मंत्री गिरीश कांडपाल ने कहा कि आपात काल में फिल्मी गीतों को तक प्रतिबंधित कर दिया गया। जिसके खिलाफ लाखों लोगों ने यातनाएं सहते हुए सत्याग्रह किया और उन्हें जेल भेज दिया गया। इसी का परिणाम है कि आज हम खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। इस मौके पर साकेत अग्रवाल, गोकर्ण सिंह मर्तोलिया, चामू सिंह भैसोड़ा, हरीश पंत, कृष्ण लाल नारंग, सुरेश कुमार, राजकुमार हुडिया, कृष्ण लाल नारंग, केके अग्रवाल, योगराज पासी, गोपाल कोचर, लोकमान सिंह गहलौत, आनंद प्रकाश हबीला, कामेश्वर काला, पुनीत लाल, बाबूलाल गुप्ता मौजूद रहे।

उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच में आई 10 शिकायतें

काशीपुर। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच हल्द्वानी की ओर से आयोजित शिविर में 10 शिकायतें आई। जिसमें से कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जबकि शेष शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। बुधवार को विद्युत वितरण खंड में आयोजित शिविर में फोरम सदस्यों ने उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनी।

एनएच का गुमखाल-सतपुली और पैडुल-श्रीनगर तक होगा चौड़ीकरण

डीएम ने श्रीनगर, पौड़ी, सतपुली, लैंसडौन के एसडीएम से मांगी रिपोर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राष्ट्रीय राजमार्ग श्रीनगर-कोटद्वार के चौड़ीकरण के संबंध में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण कार्य गुमखाल से सतपुली, पैडुल से श्रीनगर तक किया जाना है। डीएम ने प्रभावितों के खाता संख्या सहित मार्ग के चौड़ीकरण की जद में आ रहे भूमि, भवनों व व्यवसायिक भवनों की रिपोर्ट श्रीनगर, पौड़ी, सतपुली, लैंसडौन के एसडीएम से मांगी है।

जिलाधिकारी ने बैठक में श्रीनगर, पौड़ी, सतपुली, लैंसडौन के उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर मार्ग के चौड़ीकरण की जद में आ रहे भूमि, भवनों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का खाता संख्या संकलित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कहा कि प्रभावितों के खाता संख्या मिलने पर उन्हें समय पर मुआवजा वितरण की कार्यवाही की जा सकेगी। जहां पर वन विभाग संबंधित भूमि चौड़ीकरण की जद में आ रही है उसकी कार्यवाही भी समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ईला गिरी सहित वीसी के माध्यम से उपजिलाधिकारी सतपुली संदीप कुमार, लैंसडौन सोहन सिंह सैनी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान एनएच चौड़ीकरण के संबंध में बैठक लेते हुए।

भू-धंसाव रोकने के लिए पौधरोपण जरूरीः नेगी

चमोली। बदरीनाथ केदारनाथ के पूर्व विधायक कुंवर सिंह नेगी ने कहा जोशीमठ भू-धंसाव को रोकने के लिए जोशीमठ में वृहद पौधरोपण करना जरूरी है। डीएम के माध्यम से प्रभारी मंत्री डा धन सिंह रावत को भेजे ज्ञापन में पूर्व विधायक कुंवर सिंह नेगी ने कहा कि जोशीमठ भू-धंसाव रोकथाम व सुन्दरता के लिए, सघन पौध रोपण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा मारवाड़ी से लेकर औली गौरसों तक पन्द्रह सौ मीटर से लेकर पैंतालिस सौ मीटर ऊंचाई के भू-भाग में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियां नैसर्गिक रूप से विद्यमान है। यह क्षेत्र मूल्यवान, गुणकारी जीवन रक्षक दुर्लभ जड़ी-बूटियों एवं औषधि पादपों का अतुल भण्डार है।

इनके संरक्षण, सम्वर्द्धन एवं कृषिकरण की आवश्यकता है। भू-धंसाव रोकने व आर्थिकी सुधार की दृष्टि से निम्न श्रेणियों में शामिल प्रजातियों का रोपण यहां प्राथमिकता से किया जाना चाहिए।

समस्याओं के निस्तारण के लिए सीईओ से मिला संघ

उत्तरकाशी। राजकीय शिक्षक संघ उत्तरकाशी से जुड़े शिक्षकों ने प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्ती किए जाने का विरोध जताकर शत प्रतिशत पदोन्नति किए जाने एवं चयन प्रोन्नत एवं पारदर्शी स्थायी व्यवस्था न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सीईओ सीएन काला से मुलाकात की और शीघ्र समस्याओं का निस्तारण करने की मांग की। राजकीय शिक्षक संघ उत्तरकाशी की बैठक संघ के अध्यक्ष संघ भवन उत्तरकाशी में जिलाध्यक्ष अतोल सिंह महर की अध्यक्षता में की गई। जिसमें शिक्षकों के विभिन्न प्रकरणों एवं शैक्षिक उन्नयन पर चर्चा परिचर्चा की गई। इस मौके पर जिला मंत्री बलवंत असवाल शिक्षकों के लंबित समस्याओं एवं शिक्षा के उन्नयन को लेकर विचार व्यक्त किए। इस मौक पर ब्लॉक भर से आये। शिक्षकों ने विभाग में प्रधानाचार्य पदों पर सीधी भर्ती किए जाने का कड़ा विरोध जताया और शत प्रतिशत पदोन्नति किए जाने की बात कही। वहीं चयन एवं स्थायीकरण के लंबित प्रकरण, चयन प्रोन्नत एवं पारदर्शी स्थानांतरण व्यवस्था सहित शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण करने की मांग की। जिस पर संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षकों को पूरा भरोषा दिया गया कि सभी प्रकरणों को उचित पटल पर ससमय रख कर उनका निस्तारण किया जाएगा। वहीं इसके बाद सभी पदाधिकारी सीईओ कार्यालय पहुचे और समस्याओं को उनके पटल पर रखा। जिस पर सीईओ ने आश्वसन दिया कि समस्त प्रकरणों को ससमय निस्तारित किया जायेगा एवं शीघ्र ही इस आशय का कार्यवृत भी निर्गत किया जाएगा इस अवसर पर अतोल सिंह महर, जिला मंत्री बलवंत असवाल, शैलेंद्र नौटियाल (पूर्व संरक्षक), पुरुषोत्तम सैंसवाण,साधना जोशी , ललित मोहन भट्ट, शांति प्रसाद नौटियाल, चन्द्र सिंह रावत, राजेश नौटियाल,एवं विभिन्न ब्लॉकों से आए विपिन थपलियाल , गंभीर राणा, विनोद मठ्ठ, सुरेंद्र सिंह चौहान, विनोद नौटियाल,संजीव डोभाल , मनोज परमार, महेश उनियाल, प्रकाश भण्डारी , राजेश जोशी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वामी चैतन्य पुरी जी 21 व 22 को कोटद्वार में

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रख्यात संत स्वामी हरि चैतन्य पुरी जी महाराज दो-दिवसीय कार्यक्रम के तहत आगामी 21 जनवरी को कोटद्वार पहुंच रहे हैं।

आयोजन समिति की एक विज्ञप्ति में मुख्य कार्यक्रम संयोजक विपिन मिश्रा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्वामीजी 21 जनवरी शनिवार को दोपहर गोविंदनगर, कोटद्वार में पधारेंगे। अगले दिन 22 जनवरी रविवार को अपराह्न ढाई बजे से महाराज धनीराम मिश्रा मार्ग, गोविंदनगर में प्रवचन, संकीर्तन और सुंदरकांड का पाठ करेंगे।

केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री से मिले भाजपा महानगर पदाधिकारी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में महानगर के सभी पदाधिकारियों ने दून में केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट से शिष्टाचार भेंट की। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में अजय भट्ट का अशीर्वाद एवं मार्गदर्शन महानगर को मिलता रहा है आगे भी ऐसी ही अपेक्षा के साथ काम किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं व बधाई देते हुए कहा कि यदि महानगर में पार्टी के कार्यक्रम व्यवस्थित तरीके से होंगे तो उसका संदेश पूरे प्रदेश में जाता है। पहले भी महानगर से सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत अच्छा कार्य किया है। उम्मीद है इस बार भी आगामी नगर निगम चुनाव एवं 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत का परचम लहराया जाएगा। मौके पर महानगर के उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ढिल्लों, रतन सिंह चौहान, संतोष सेमवाल, डॉ बबीता सहोत्रा, संध्या थापा, महानगर महामंत्री बिजेन्द्र थपलियाल, सुरेन्द्र राणा, महानगर मंत्री राजेश काम्बोज, देवेन्द्र पाल मोन्टी, संदीप मुखर्जी, विमल उनियाल, महानगर कोषाध्यक्ष मोहित शर्मा, महानगर कार्यालय मंत्री विनोद शर्मा एवं महानगर मीडिया प्रभारी उमा नरेश तिवारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

थानों में एक महिला उपनिरीक्षक और 4 महिला आरक्षी रहेंगी तैनात: एसएसपी

चमोली। पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस के अधिकारियों, थानाध्यक्षों व शाखा प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी में कानून व्यवस्था की मजबूती के साथ साथ नशे के अवैध कारोबार कर कड़ी नजर रखने और नशे के अड्डों को चिन्हित कर नशे के कारोबारियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

पुलिस अधीक्षक ने सभी थानों में एक महिला उप निरीक्षक एवं चार महिला आरक्षी नियुक्त करने के आदेश दिये।

बुधवार को पुलिस लाइन में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने जनपद में नये थाना, चौकियों के सृजन के सम्बन्ध में सम्बंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने और अवैध नशों के अड्डों को चिन्हित करने व नशे के कारोबारियों पर अधिक से अधिक निरोधात्मक कार्यवाही के निर्देश थानाध्यक्षों, चौकी प्रभारियों को दिये। पुलिस अधीक्षक ने महिला हैल्प लाइन के कार्यों की समीक्षा करते हुए थानों में आती शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के आदेश दिए। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक अमित सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन नताशा सिंह, प्रतिसार निरीक्षक रविकान्त सेमवाल, निरीक्षक अभिसूचना सचिन चौहान, सहित जनपद के सभी कोतवाली/थाना एवं शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

डीएम ने लिया नगर की सफाई व्यवस्था का जायजा

नई टिहरी। डीएम ने नगर क्षेत्रों के विभिन्न जगहों का निरीक्षण का एसडीएम को नगर में सफाई व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिये हैं। डीएम ने सड़कों के किनारे कूड़ा डालने वाले लोगों की निगरानी करने के साथ उनके खिलाफ चालन की कार्यवाही के निर्देश भी दिये।

बुधवार को डीएम डॉ. सौरभ गहरवार ने नगर के डाइजर तथा आसपास क्षेत्रों में सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने एसडीएम को नगर की मुख्य सड़क डाइजर से नई टिहरी बाजार तक एक सप्ताह के भीतर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि ऐसे स्थानों पर सीसीटीवी लगाये जाए जहां पर लोग अक्सर कूड़ा करकट डालते हैं, कहा कोई भी व्यक्ति कूड़ादान के अलावा खाली जगहों पर कूड़ा डालते हुये दिखाई दिये उनके खिलाफ चालान की कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने ने कहा कि डाइजर नगर का प्रवेशद्वार है। नगर को साफ और स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है। लिहाजा नगर पालिका नगर के लोगों को सफाई व्यवस्था को लेकर जागरूक करें और नगर को स्वच्छ बनाने में लोगों से सहयोग मांगे। कहा कि इसके बावजूद कोई व्यक्ति अथवा व्यापारी इधर कूड़ा फेंकते हुये नजर आता है, तो उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जाए। डीएम ने नगर पालिका के ईओ एमएल शाह को नगर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिये। मौके पर एडीएम रामजी शरण शर्मा आदि मौजूद थे।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी दोषमुक्त

देहरादून। पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को दोषमुक्त करार देते हुए बरी कर दिया। अधिवक्ता सौरभ दुसेजा ने बताया कि अजीम निवासी आसन बाग, हर्बटपुर के खिलाफ 26 सितंबर 2021 को छेड़छाड़, धमकी देने और दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज किया। पुलिस जांच के बाद पोक्सो कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की।

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र विपिन कुमार व पुत्रवधु अनीता रोजना घर में लड़ाई-झगड़ा करते रहते है। जिससे तंग आकर मैं अपने पुत्र विपिन कुमार व पुत्रवधु अनीता को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। उक्त दोनों के द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य व लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेंगें। उनके द्वारा किये गये कृत्य व लेन-देन के लिए मैं तथा मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं रहेगा।

राजकुमारी पत्नी मौ0 शौकीन लकड़ीपड़ाव पनियाली तल्ली कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल,
(0803/25) उत्तराखण्ड

डीएम ने दिए लोनिवि गेस्ट हाऊस के ध्वस्तीकरण के आदेश

जोशीमठ में भूंधसाव के कारण आई मकान में दरारें।

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जोशीमठ नगर क्षेत्र में भू-धंसाव के कारण अभी तक 849 भवनों को चिन्हित किया गया है जिनमें दरारें आयी है। सुरक्षा के दृष्टिगत 250 परिवारों के 838 सदस्यों को अस्थायी राहत शिविरों में विस्थापित किया है। जोशीमठ स्थित लोक निर्माण विभाग का निरीक्षण भवन वर्तमान समय में हो रहे भूधंसाव के कारण असुरक्षित हो गया है। आम जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत उक्त भवन को तत्काल डिस्मेंटल किए जाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

जिला सूचना कार्यालय की जानकारी के अनुसार प्रभावित परिवारों के तीक्ष्ण एवं पूर्ण क्षतिग्रस्त भवनों, विशेष पुनर्वास पैकेज की अग्रिम धनराशि, सामान ढुलाई व तात्कालिक आवश्यकताओं एकमुश्त विशेष ग्रांट और घरेलू सामग्री क्रय हेतु अभी तक 327.77 लाख की राहत धनराशि वितरित की जा चुकी है। सीबीआरआई रुड़की द्वारा लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन को डिमोलिश श्रेणी में रखा गया है।

भूधंसाव के कारण लोनिवि निरीक्षण भवन के निकट अवस्थित आवासीय भवनों एवं अन्य संरचनाओं की क्षति की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए निरीक्षण भवन को आम जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जोशीमठ आपदा प्रभावितों के लिए विभिन्न स्थानों पर संचालित राहत शिविरों में भोजन की गुणवत्ता की फूड सेफ्टी आफिसर द्वारा निरंतर जांच की जा रही है। साथ ही अन्यत्र जनपदों से आ रही खाद्य सामग्री का भी नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मनोचिकित्सकों की टीम जोशीमठ आपदा प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावित लोगों के बीच जाकर लगातार काउंसलिंग कर रही है और संकट की इस घडी में प्रभावितों को धैर्य के साथ मनोबल बनाए रखने तथा इस विपदा से उभारने का प्रयास कर रही है।

पांच आवासीय भवन असुरक्षित घोषित, ध्वस्तीकरण के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जोशीमठ नगर पालिका के वार्ड नंबर-5 मनोहरबाग स्थित पांच आवासीय भवनों को भूधंसाव के कारण असुरक्षित घोषित किया गया है। सीबीआरआई रूडकी द्वारा उक्त भवनों को डिमोलिश कटेगरी में रखा गया है, जिस कारण उक्त भवनों को ध्वस्त किया जाना आवश्यक है।

आम जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत उक्त भवनों को तत्काल साइन्टिफिक डिस्मेंटल किए जाने के आदेश जारी कर दिए हैं। अभी तक असुरक्षित दो होटल सहित कुल 8 भवनों को डिस्मेंटल की प्रक्रिया शुरू की गई है।

जोशीमठ नगर पालिका के वार्ड नंबर-5 मनोहरबाग स्थित भगवती प्रसाद कपरूवाण पुत्र वासवा नन्द, दुर्गा प्रसाद कपरूवाण पुत्र वासवा नन्द, मदन प्रसाद कपरूवाण पुत्र विद्या दत्त, यमुना प्रसाद कपरूवाण पुत्र विद्या दत्त, शंभू प्रसाद सती पुत्र खीमानंद के आवासीय भवन वर्तमान समय में हो रहे भूधंसाव के कारण असुरक्षित हो गए है। आवासीय भवन सीबीआरआई रूडकी की टीम द्वारा वर्तमान समय में हो रहे भू-धंसाव के कारण असुरक्षित घोषित किये गये हैं, साथ ही सीबीआरआई रूडकी द्वारा उक्त भवनों को डिमोलिश कटेगरी में रखा गया है, जिस कारण उक्त भवनों को ध्वस्त किया जाना आवश्यक है। भवन स्वामियों के द्वारा भवनों के ध्वस्तीकरण हेतु अपनी लिखित सहमति प्रदान की गयी है। सेक्टर अधिकारी द्वारा उक्त भवन स्वामियों से भवनों के ध्वस्तीकरण हेतु सहमति प्राप्त कर लिया गया है। इससे पूर्व होटल माउंट व्यू, होटल मलारी इन और लोनिवि भवनों को साइंटिफिक डिस्मेंटल के आदेश जारी किए जा चुके है। जिन्हें डिस्मेंटल का काम चल रहा है। अभी तक असुरक्षित दो होटल सहित कुल 8 भवनों को डिस्मेंटल की प्रक्रिया शुरू की गई है।

उत्तराखंड संस्कृत विवि में छात्र संघ चुनाव को छात्र-छात्राओं ने नामांकन पत्र दाखिल किए

हरिद्वार। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में छात्र संघ के अध्यक्ष और सचिव पद पर एक एक छात्र ने नामांकन किया है। इसी प्रकार उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के पद पर भी एक-एक नामांकन किया गया है। केवल संयुक्त सचिव पद पर दो छात्रों ने नामांकन किया है। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में 21 जनवरी को छात्र संघ के चुनाव को लेकर बुधवार को विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 11:00 से 1:00 तक नामांकन पत्र दाखिल किए। विश्वविद्यालय के मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. हरीश तिवारी ने बताया कि छात्र संघ के अध्यक्ष पद पर सागर खेमरिया, उपाध्यक्ष पद पर शिखा मलिक, सचिव पद पर हरीश चंद्र सती और संयुक्त सचिव पर शैफाली सैनी, कार्तिक श्रीवास्तव ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर अमन कुमार दुबे और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के पद पर मनमोहन शुक्ला ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

नीलामी सूचना

जिला परियोजना कार्यालय के पत्रांक संख्या जि0प0आ0/148/ध्वस्तीकरण /2020-21 दिनांक 30 जुलाई 2020 के आदेशानुसार राजकीय प्राथमिक विद्यालय झर्त (रिखणीखाल) के पुराने भवन की नीलामी दिनांक 04-02-2023 को सुबह 11 बजे होनी है। कोई भी इच्छुक व्यक्ति इसमें भाग ले सकता है। नीलामी के नियम व शर्तें किसी भी कार्यदिवस को विद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

दिनांक 18-01-2023
विद्यालय प्रबन्धन समिति
रा0प्रा0वि0 झर्त
(0802/25) रिखणीखाल

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के निर्देश दिए

उत्तरकाशी। उत्तराखंड अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने जिला सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते हुए अनुसूचित जाति कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

बैठक में आयोग के अध्यक्ष कुमार ने शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा देने और स्तर में सुधार करते हुए साक्षरता दर को बेहतर बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि तिलोथ स्थित अम्बेडकर छात्रावास में अध्ययनरत छात्राओं को रहने, खाने पीने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।

अनुसूचित जाति के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने का काम करें, ताकि जरूरतमंदों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। कुमार ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करें।

समय समय पर सुदरवर्ती क्षेत्रों में कैम्प लगाकर ग्रामीण लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाय। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में जो इलाज नहीं करा पाते हैं या आर्थिक रूप से अक्षम हैं उन्हें आयुष्मान योजना के तहत शत प्रतिशत लाभान्वित करें। उन्होंने मजदूर, किसानों के श्रम कार्ड बनाने पर जोर दिया। स्वरोजगार के क्षेत्र में उद्यान विभाग को बागवानी, मशरूम उत्पादन एवं अन्य रोजगार के संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार सृजन पर भी जोर दिया। बैठक में डीएम अभिषेक रुहेला ने अनुसूचित जाति कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी आयोग को दी। इस मौके पर एसपी अर्पण यदुवंशी, एडीएम तीर्थपाल सिंह आदि थे।

लाखों खर्च करने के बाद भी धूल फांक रहा ऑटोमेटेड ट्रैक

हरिद्वार। रोशनाबाद स्थित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट और टेस्टिंग के लिए, लाखों रुपये खर्च कर तैयार किया गया ट्रैक कई माह से धूल फांक रहा है। लाइसेंस पेंडों और प्लॉस्टिक के डिवाइडरों के चक्कर लगवाकर बनाए जा रहे हैं।

इसमें छोटी-बड़ी गलती भी छिपाई जा रही है। उधर उत्तराखंड पेयजल निगम निर्माण एजेंसी ट्रैक को तैयार कर परिवहन विभाग के सुपुर्द कर चुकी है। बावजूद इसके ऑटोमेटेड ट्रैक को संचालित नहीं किया जा रहा है। इस ट्रैक में हम्स सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट एवं मारुति कोलॉबरेशन सिस्टम लगाया जाना है। पूरा ट्रैक कंप्यूटराइज होने के बाद कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहेगा। केवल सेंसर बेस होगा। ड्राइविंग टेस्ट का रिजल्ट सेंसर के आधार पर ही आएगा।

[illegible]

निविदा सूचना

निविदा सूचना : 05-01-144-03-03-11-02-sig-tele-mb दिनांक 11.01.2023

[illegible]

सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	अनुमान लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	05-SIG-SNT-MB-2022-23 [illegible] HBL [illegible]	43716728.34	368600.00	NIL	14.02.2023 15.00 hrs
2	01RT-TeleSnT-DRM-MB-21-22 [illegible]	2041765.00	40800.00	NIL	14.02.2023 15.00 hrs
3	144RT3-Tele-SNT-MB [illegible]	2675000.00	53500.00	NIL	14.02.2023 15.00 hrs
4	03-AMC-E-SIG-MB-22-23 [illegible]	39524588.23	349600.00	NIL	14.02.2023 15.00 hrs
5	11-3ELD-Sig-rehibilitation [illegible]	8308284.34	166200.00	NIL	14.02.2023 15.00 hrs
6	02-SNT-SIG-MB-22-23 Moradabad Division [illegible]	29022747.91	295100.00	NIL	14.02.2023 15.00 hrs

नोट : निविदा के पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 184/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

नई भर्ती प्रक्रिया की जरूरत

उत्तराखंड में अब तक हुई परीक्षाओं को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं तो वही जरूरत दिखने लगी है कि आने वाले समय में भर्ती प्रक्रिया को लेकर नए सिरे से नीति तैयार की जाए। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित की गई परीक्षाओं के दौरान पर्चे लीक होने एवं नकल को लेकर सरकार कटघरे में खड़ी है। हाल ही में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल कराने का जो बड़ा घोटाला सामने आया उसने उत्तराखंड को राष्ट्रीय मानचित्र पर भ्रष्टाचार एवं घोटाले के लिए प्रमुखता से ला खड़ा किया। नकल भर्ती प्रकरण में ऐसे लोगों का नाम आया जो जहां एक तरफ कम शिक्षित है तो वही इन लोगों का सत्ता से कनेक्शन भी जुड़ा हुआ पाया गया। इन अनपढ़ नकल माफियाओं ने भर्ती तंत्र में शामिल लोगों को पैसे का लालच दिखाकर घोटाले का हिस्सा बनाया। नकल से पास की गई परीक्षाओं की पोल खोली तो एक के बाद एक नए नए खुलासे होते चले गए। अब तक यह साबित हो चुका था कि उत्तराखंड में आयोजित की गई अधिकांश परीक्षाएं कहीं ना कहीं गड़बड़ी की चपेट में नजर आई। सरकार ने परीक्षाओं को पारदर्शिता से संपन्न कराने के लिए उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को किनारे करते हुए उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से परीक्षाएं कराने का निर्णय लिया। नकल माफियाओं ने सरकार के इस फैसले को भी बेकार साबित कर दिया और हाल ही में आयोजित हुई लेखपाल परीक्षा में पर्चा लीक की घटना ने सरकार की किरकिरी करा डाली। यह स्पष्ट हो चुका था कि सरकार का भर्ती प्रक्रिया में कोई नियंत्रण नहीं रह गया है ना तो उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और ना ही लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षाओं में गोपनीयता का पालन सतर्कता से किया गया। भर्ती तंत्र को दिमाग इस प्रकार से कुतर चुके हैं कि परीक्षाएं कराने वाले दोनों ही विभाग अब संदेह और शंका की दृष्टि से देखे जाने लगे हैं। युवाओं में निराशा का दौर है तो वही सरकार समझ नहीं पा रही है कि आखिर उत्तराखंड के युवाओं को विश्वास की परिधि में कैसे लाया जाए। अब समय आ गया है कि सरकार भर्ती प्रक्रिया के मानकों में परिवर्तन लाएं तथा आयोग मैं स्टाफ से लेकर काम करने के तरीकों पर की भी एक बार पूरी तरीके से समीक्षा की जाए। जब विभाग के अंदर ही विभीषण बैठे हो तो एक पारदर्शी एवं गोपनीय परीक्षा प्रक्रिया की कल्पना नहीं की जा सकती। साथ ही सरकार को पूर्व की परीक्षाओं की भी एक बार जांच करा लेनी चाहिए ताकि गलत तरीके से सरकारी नौकरियों में घुसे लोगों की पहचान की जा सके।

जोशीमठ : पर्यावरण बनाम विकास

अयोध्या से जुड़े राम भक्त संदीप जी द्वारा साझी की गई जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड स्थित बद्री, केदार, यमुनोत्री व गंगोत्री धामों के दर्शन करके इसी जन्म में मोक्ष पाने की सस्ती लालसा के पिपासुओं की भीड़ और नवधनाढ्यों की पहाड़ों में मौज मस्ती भी यहां प्रातिक संसाधनों पर भारी पड़ी है। इस कारण समूचा गढ़वाल हिमालय क्षेत्र तेजी से नष्ट हो रहा है जबकि यह देवात्मा हिमालय का सर्वाधिक पवित्र क्षेत्र माना जाता है। इसकी भौगोलिक स्थिति का स्कंध पुराण में भी विस्तृत वर्णन मिलता है। यहां कदम-कदम, मोड़-मोड़ पर प्राचीन ऋषि मुनियों के आश्रम और पौराणिक देवस्थान स्थित हैं। इन्हीं पर्वतों से गंगा व यमुना जैसी असंख्य पवित्र नदियां निकली हैं। ऐसे परम पवित्र पावन रमणीक हरे-भरे प्रदेश का पर्यावरणविद् के सतत विरोध के बावजूद बिजली बनाने और पर्यटन के लिए वर्तमान बीजेपी सरकार सहित सभी पूर्ववर्ती सरकारों ने खूब दोहन किया है। इस कारण केदारनाथ त्रासदी जैसी घटनाएं घटित हो चुकी हैं, और आगे और भी भयावह विनाश की खबरें आएंगी क्योंकि जब देवताओं की निवास स्थली देवभूमि हिमालय मी पर्यटन के नाम पर अंडा, मांस, मदिरा का व्यापक प्रयोग और न जाने कैसे-कैसे अपराध मनुष्य करेगा तो देवता तो रुष्ट होंगे ही। हर वर्ष गर्मियों में उत्तराखंड दर्शन और सैरसपाटे के लिए घुमक्कड़ों की भीड़ इस कदर होती है कि पहाड़ों में गाडियों का कई किमी.तक लंबा जाम लग जाता है। पर्यटकों के कारण यहां का पारिस्थितिकी तंत्र चरमरा जाता है। हर शहर और गांव में बढ़ती भीड़ के लिए होटल और गेस्ट हाउसों की बाढ़ आई हुई है। प्रश्न है कि मैदानों की बिजली की मांग तो निरंतर बढ़ती जाएगी तो इसका खमियाजा पहाड़ क्यों भरे? सरकारों को अन्य विकल्प तलाशने होंगे। क्यों न यहां भी बढ़ती भीड़ के लिए कश्मीर घाटी के पवित्र अमरनाथ धाम के दर्शन की ही तरह दर्शनार्थियों को सीमित मात्रा में परमिट देने का सिस्टम विकसित किया जाए?

विनीत नारायण

उत्तराखंड में भगवान श्रीबद्रीविशाल के शरदकालीन पूजा स्थल और आदि शंकराचार्य की तपस्थली ज्योतिर्मठ (जोशीमठ) नगर में विगत महीने से जो बड़ी लंबी-लंबी दरारें आ गई, वे निरंतर गहरी व लंबी होती जा रही हैं।

वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और धार्मिक लोगों के अनुसार, बेतरतीब ढंग से हुए शविकास और हर वर्ष बढ़ते पर्यटकों के सैलाब को इसका कारण माना जा सकता है।

जोशीमठ नगर बद्रीनाथ धाम से 45 किमी. पहले ही अलकनंदा नदी के किनारे वाले ऊंचे तेज ढलान वाले पहाड़ पर स्थित है। यहां पर फौजी छावनी और नागरिक मिलाकर 50,000 के लगभग निवासी रहते हैं। साल के छह महीने की गर्मियों के दौरान यह संख्या पर्यटकों के कारण दुगुनी हो जाती है। बद्रीनाथ धाम में दर्शनार्थी तो आते ही हैं, साथ ही विश्व प्रसिद्ध औली जाने वाले पर्यटक भी आते हैं। औली बद्रीनाथ से करीब 50 किमी. दूर है। जोशीमठ से 4 किमी. पैदल चढ़ कर औली पहुंचा जा सकता है। इसलिए औली जाने वाले ज्यादातर पर्यटक भी रात्रि विश्राम जोशीमठ में ही करते हैं। यहां से बद्रीनाथ धाम जाने के लिए 12 किमी. नीचे की ओर विष्णुगंगा और अलकनंदा के मिलन विष्णु प्रयाग तक उतरना पड़ता है, जहां विष्णु प्रयाग जलविद्युत परियोजना (जेपी ग्रुप) का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां बिजली बनाने के लिए बड़ी-बड़ी सुरंग कई वर्षो से बनाई जा रही हैं, जिनमें से अधिकांश बन चुकी हैं। जोशीमठ के नीचे दरकने और दरारें आने की मुख्य वजह ये सुरंगें बताई जा रही हैं क्योंकि बारूद से विस्फोट करके ही इन्हें बनाया जाता है। इस कारण पहाड़ में दरारें आना स्वभाविक है।

यह कार्य चार दशकों से पूरे हिमालय विशेषकर गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र में हो रहा है। बिजली बनाने के लिए कई सौ परियोजनाएं यहां चल रही हैं। मैदानों को दी जाने वाली बिजली बनाने के लिए कई दशकों से यहां अंधाधुंध व बेतरतीब ढंग से हिमालय में सुरंगों, सड़कों और पुलों का निर्माण जारी है, जिससे यहां की वन संपदा आधी रह गई है। अयोध्या से जुड़े राम भक्त संदीप जी द्वारा साझी की गई जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड स्थित बद्री, केदार, यमुनोत्री व गंगोत्री धामों के दर्शन करके इसी जन्म में मोक्ष पाने की सस्ती लालसा के पिपासुओं की भीड़ और नवधनाढ्यों की पहाड़ों में मौज मस्ती भी यहां प्रातिक संसाधनों पर भारी पड़ी है। इस कारण समूचा गढ़वाल हिमालय क्षेत्र तेजी से नष्ट हो रहा है जबकि यह देवात्मा हिमालय का सर्वाधिक पवित्र क्षेत्र माना जाता है। इसकी भौगोलिक स्थिति का स्कंध पुराण में भी विस्तृत वर्णन मिलता है।

यहां कदम-कदम, मोड़-मोड़ पर प्राचीन ऋषि मुनियों के आश्रम और पौराणिक देवस्थान स्थित हैं। इन्हीं पर्वतों से गंगा व यमुना जैसी असंख्य पवित्र नदियां निकली हैं। ऐसे परम पवित्र पावन रमणीक हरे-भरे प्रदेश का पर्यावरणविद् के सतत विरोध के बावजूद बिजली बनाने और पर्यटन के लिए वर्तमान बीजेपी सरकार सहित सभी पूर्ववर्ती सरकारों ने खूब दोहन किया है। इस कारण केदारनाथ त्रासदी जैसी घटनाएं घटित हो चुकी हैं, और आगे और भी भयावह विनाश की खबरें आएंगी क्योंकि जब देवताओं की निवास स्थली देवभूमि हिमालय मी पर्यटन के नाम पर अंडा, मांस, मदिरा का व्यापक प्रयोग और न जाने कैसे-कैसे अपराध मनुष्य करेगा तो देवता तो रुष्ट होंगे ही। हर वर्ष गर्मियों में उत्तराखंड दर्शन और सैरसपाटे के लिए घुमक्कड़ों की भीड़ इस कदर होती है कि पहाड़ों में गाडियों का कई किमी. तक लंबा जाम लग जाता है। पर्यटकों के कारण यहां का पारिस्थितिकी तंत्र चरमरा जाता है। हर शहर और गांव में बढ़ती भीड़ के लिए होटल और गेस्ट हाउसों की बाढ़ आई हुई है। प्रश्न है कि मैदानों की बिजली की मांग तो निरंतर बढ़ती जाएगी तो इसका खमियाजा पहाड़ क्यों भरे? सरकारों को अन्य विकल्प तलाशने होंगे। क्यों न यहां भी बढ़ती भीड़ के लिए कश्मीर घाटी के पवित्र अमरनाथ धाम के दर्शन की ही तरह दर्शनार्थियों को सीमित मात्रा में परमिट देने का सिस्टम विकसित किया जाए?

इस विषय में सबसे खास बात है कि सरकार समूचे हिमालय क्षेत्र के लिए खास दीर्घकालीन योजना बनाई जाए जिसमें देश के जाने-माने पर्यावरणविद्, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के अनुभवों और सलाहों को खास तवज्जो दी जाए। तभी हिमालय का पारिस्थितिकी तंत्र संभलेगा वरना तो केदारनाथ त्रासदी और अभी हाल की जोशीमठ जैसी घटनाएं निरंतर और विकराल रूप में आएंगी ही आएंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर और वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के एमिरेट्स साइंटिस्ट प्रो. धीरज मोहन बैनर्जी के अनुसार, श्कई साल पहले भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने एक जांच की थी। वह रिपोर्ट भी बोलती है कि यह क्षेत्र कितना अस्थिर है। भले ही सरकार ने वैज्ञानिकों या शिक्षाविद् को गंभीरता से नहीं लिया, कम से कम उसे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर तो ध्यान देना ही चाहिए था। इस क्षेत्र में बेतरतीब शविकास के नाम पर हो रहे सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगनी चाहिए।

चिंता की बात यह है कि सरकार चाहे यूपीए की हो या एनडीए की वो कभी पर्यावरणवादियों की सलाह को महव नहीं देती। पर्यावरण के नाम पर मंत्रालय, एनजीटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सब कागजी खानापूरी करने के लिए हैं। करपोरेट घरानों के प्रभाव में और उनकी हवस को पूरा करने के लिए सारे नियम और कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। पहाड़ हों, जंगल हों, नदी हों या समुद्र का तटीय प्रदेश, हर ओर विनाश का यह तांडव जारी है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा शुरू किया गया उत्तराखंड के चार धाम को जोडने वाली सड़कों का प्रस्तावित चौड़ीकरण भविष्य में इससे भी भयंकर त्रासदी लाएगा। पर क्या कोई सुनेगा? देवताओं के कोप से बचाने वाले खुद देवता ही हैं। वो हमारी साधना से खुश होकर हमें बहुत कुछ देते भी हैं, और कुपित होकर बहुत कुछ ले भी लेते हैं। संदीप जी जैसे भक्तों, प्रोफेसर बनर्जी जैसे वैज्ञानिकों, भौगोलिक विशेषज्ञों और सारे जोशीमठवासियों की पीड़ा हम सबकी पीड़ा है। इसलिए ऐसे संकट में सभी को एकजुट हो कर समस्या का हल निकालना चाहिए।

दिल्ली विधानसभा का क्या होगा?

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल के बीच अधिकारों को लेकर चल रही लड़ाई से जुड़े मामल की सुनवाई करते हुए पूछा कि दिल्ली में चुनी हुई सरकार का क्या मतलब है, जब पूरा प्रशासन केंद्र सरकार के हिसाब से चलना है? यह बहुत जायज सवाल है। जब दिल्ली का प्रशासन उप राज्यपाल के जरिए केंद्रीय गृह मंत्रालय चलाएगा फिर दिल्ली में विधानसभा और चुनी हुई सरकार का क्या मतलब है? ध्यान रहे दिल्ली में कई तरह की शासन व्यवस्थाएं एक साथ काम करती हैं। कुछ विषयों की जिम्मेदारी राज्य की चुनी हुई सरकार संभालती है, कुछ विषय दिल्ली नगर निगम के अधीन आते हैं, कुछ इलाके एनडीएमसी के हैं, जहां सीधे केंद्र का राज चलता है तो कुछ सेना के अधिकार का क्षेत्र है। जमीन और पुलिस का मामला पूरी दिल्ली में सीधे केंद्र के पास है।

पिछले दिनों संसद में गवर्नमेंट अफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी अफ दिल्ली यानी जीएनसीटीडी कानून पास किया गया, जिसमें यह प्रावधान है कि सरकार का मतलब उप राज्यपाल है। अब या दिल्ली में यह जीएनसीटीडी एक्ट लागू होगा या चुनी हुई विधानसभा और सरकार रहेगी। दोनों के साथ साथ रहने का कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ आम आदमी की मेहनत की कमाई की बरबादी है, जो विधानसभा और दिल्ली की चुनी हुई सरकार चल रही है। अगर चुनी हुई सरकार जनादेश के हिसाब से काम नहीं कर सकती है, अपने चुनावी वादों को लागू नहीं कर सकती है, मामूली मामूली बात के लिए उसे उप राज्यपाल से मंजूरी लेनी है तो फिर उस सरकार के रहने का कोई मतलब नहीं है। वैसे भी भाजपा अब 1998 से लगातार हार कर तंग आई हुई है। इसलिए हैरानी नहीं होगी अगर इसी विवाद में विधानसभा खत्म हो जाए और 1993 से पहले वाली व्यवस्था बहाल हो जाए।

हाथ से जुड़ेंगे हाथ?

कांग्रेस ने 26 जनवरी से श्हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह मुहिम भी 30 जनवरी को श्रीनगर में पूरी होने जा रही भारत जोड़ो यात्रा जैसी ही महवाकांक्षी है।

कांग्रेस के नजरिए से यह अच्छी बात है कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही संगठन को सक्रिय रखने की योजना पार्टी नेतृत्व ने घोषित कर दी है। किसी संगठन के लिए सबसे हानिकारक बात यही होती है कि नेतृत्व कोई दिशा और कार्यक्रम देने में नाकाम रहता है, जिससे कार्यकर्ता निष्क्रिय होने लगते हैं। तो कांग्रेस ने 26 जनवरी से श्हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह मुहिम भी 30 जनवरी को श्रीनगर में पूरी होने जा रही भारत जोड़ो यात्रा जैसी ही महवाकांक्षी है। दरअसल, जब इस यात्रा का कार्यक्रम घोषित किया गया था, तब ज्यादातर लोगों को उम्मीद नहीं थी कि सचमुच राहुल गांधी और अन्य श्भारत यात्री साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चलेंगे। तब यह भी अनुमान नहीं था कि यह यात्रा इतनी प्रभावशाली होगी। इस यात्रा की सफलता ने कांग्रेस और उससे जुड़े लोगों की साख कायम की है। सबसे ज्यादा साख राहुल गांधी की बढ़ी है, जिन्हें अब एक जमीनी समझ रखने वाले और आम जन से जुड़े नेता के रूप में देखा जाने लगा है।

इसलिए अब उन्होंने नए अभियान को लेकर आम जन को जो पत्र लिखा है, उसे हलके से नहीं लिया जाएगा। कांग्रेस ने दावा किया है कि इस मुहिम के दौरान उसके कार्यकर्ता राहुल गांधी का वह पत्र और मोदी सरकार के खिलाफ श्चार्जशीट लेकर सभी छह लाख गांवों में घर-घर जाएंगे। पार्टी ने इस श्अराजनीतिक भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस की राजनीतिक पहुंच का अभियान बताया है। इसलिए इसमें पार्टी के चुनाव निशान श्हाथ को प्रमुखता दी गई है। जाहिर है, इस मुहिम के जरिए पार्टी लोगों से अपना हाथ कांग्रेस के श्हाथ से जोडने का आह्वान कर रही है। स्पष्टतरू इसमें सफलता को लेकर फिलहाल उतना ही संदेह है, जितना भारत जोड़ो यात्रा से पहले उसकी सफलता को लेकर था। बहरहाल, यह जरूर कहा जा सकता है कि भले इस अभियान में कांग्रेस को लोगों को खुद से जोडने में भले वैसी कामयाबी ना मिले, लेकिन इससे पार्टी संगठन में गति और सक्रियता बनी रहेगी, जो गुजरे दशकों में जमीन से कटती गई गई इस पार्टी के लिए अपने-आप में बेहद महवपूर्ण है।

दोपहर के खाने के बाद आलस को दूर करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

क्या आप दोपहर के समय खुद को थका या आलस से भरा हुआ महसूस करते हैं, खासकर दोपहर का भोजन करने के बाद? अगर हां तो इसके कई कारण हो सकते हैं। दिन के दौरान सोने की आवश्यकता महसूस करने से ऊर्जा में कमी आती है और इससे काम पर ध्यान केंद्रित करने में भी मुश्किल होने लगती है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से टुटकारा पा सकते हैं।

नाश्ते को न करें नजरअंदाज

अपने सुबह के नाश्ते को छोड़ देने का मतलब है कि आप उन महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को खो रहे हैं जो एकाग्रता और प्रोडक्टिविटी को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं जब आप नाश्ता छोड़ते हैं तो आप दोपहर में ज्यादा खा लेते हैं। नतीजतन आप खुद को सुस्त महसूस कर सकते हैं। इससे बचे रहने के लिए सुबह के नाश्ते में पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें ताकि आप पूरे दिन अधिक सक्रिय और ऊर्जावान बने रहें।

ज्यादा पानी का करें सेवन

जब आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं तो इसके कारण मेटाबलिज्म धीमा हो सकता है, जिससे आप सुस्त महसूस कर सकते हैं। इसलिए पूरा दिन भरपूर पानी पीएं और अपने शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए बिना चीनी वाला फलों के जूस का भी सेवन करें। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त, यह आपके ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है।

काम के बीच में लें थोड़ा ब्रेक

दोपहर के समय जब आप काम कर रहे होते हैं तो थकान महसूस होना आम बात है। यह आपके दिमाग और शरीर को ब्रेक लेने का संकेत देता है। ऐसे में कुछ मिनट आराम करें। इससे आपको अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और जब आप काम पर लौटते हैं तो ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। ब्रेक आपके तनाव के स्तर को कम करने और आपके कामकाज में सुधार करने में भी मदद कर सकते हैं।

धूप में बिताएं थोड़ा समय

धूप में टहलने या बैठने से शरीर को यह संदेश मिलता है कि यह सोने का समय नहीं है। यह तरीका आपके शरीर के आलस को दूर करके ऊर्जा प्रदान करने में मदद कर सकता है। सूर्य की रोशनी के संपर्क में आने से शरीर में विटामिन- डी का उत्पादन भी बढ़ता है, जो स्वस्थ हड्डियों और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देता है।

नींद का बनाएं पैटर्न

पर्याप्त नींद नहीं लेने से शरीर के सभी चक्र प्रभावित होते हैं, जिसके कारण किसी भी समय नींद आना स्वाभाविक है। दोपहर में नींद से बचने के लिए रोजाना रात को छह से सात घंटे की नींद लें। इसके अतिरिक्त, समय पर सोने और जल्दी उठने का भी नियम बना लें ताकि शरीर इस चीज का आदि हो जाए कि कब सोना है और कब नहीं।

विपक्ष का एक साथ होना कठिन

अजय दीक्षित

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने खुद को प्रधानमंत्री की दावेदारी से अलग कर लिया। राहुल के लिए नीतिश ने कहा कि यदि राहुल का नाम प्रधानमंत्री के लिए आगे आता है तो उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। सवाल यह है कि नीतिश कुमार ने तो मान लिया पर क्या सारे विपक्षी दल राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाने पर सहमत हो सकते हैं।

राहुल गांधी ने भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान परोक्ष तौर पर ऐसी ही मंशा जाहिर की थी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विपक्षी दलों से एकजुटता का आह्वान किया। इस आह्वान के पीटे राहुल गांधी की मंशा आगामी लोकसभा चुनाव में संयुक्त विपक्षी दल के प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी उम्मीदवारी पेश करना है। प्रधानमंत्री की दावेदारी के लिए राहुल गांधी ने स्पष्ट तौर पर बेशक कुछ नहीं कहा किन्तु उनके बयान से उनकी दबी हुई मंशा साफ जाहिर होती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जिसका देशव्यापी नेटवर्क है। समाजवादी पार्टी का नाम लेते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि क्या इस पार्टी की पलिसी केरल कर्नाटक में लागू होती है। उन्होंने कहा कि केवल कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जिसकी राष्ट्रव्यापी नीतियां और नेटवर्क है। नीतिश कुमार ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से खुद को अलग कर लिया हो लेकिन दूसरे क्षेत्रीय दलों ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। क्षेत्रीय दलों के लिए राहुल की स्वीकार्यता आसान नहीं हैं। विपक्षी दलों का यह प्रयास यदि सफल हो भी जाता है, तब भी इसकी हालत भानुमति के कुनबे जैसी होगी। इन दलों के प्रमुख का ख्वाब भी प्रधानमंत्री की दावेदारी का है। विपक्षी दलों की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। यही वजह है कि नीतिश के अलावा किसी भी क्षेत्रीय दल ने अभी तक राहुल गांधी के नाम को आगे नहीं बढ़ाया है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से क्षेत्रीय दलों ने दूरी बनाए रखी। हर दल के प्रमुख ने कोई न कोई बहाना बना कर राहुल और कांग्रेस को इस यात्रा का श्रेय देने से बचने का प्रयास किया। मुद्दा यह नहीं है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। सवाल यह है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कैसा प्रदर्शन कर पाती है। लोकसभा में मिलने वाली सीटों पर ही कांग्रेस की दावेदारी को दम मिलेगा। इसके लिए कांग्रेस को सिर्फ प्रतिद्वन्द्वी भारतीय जनता पार्टी से ही नहीं बल्कि विपक्षी दलों से भी जूझना होगा। कांग्रेस का सीटों के बंटवारे को लेकर गैर भाजपा दलों से गठबंधन आसान नहीं है। विपक्षी दलों में यदि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर कर आती है, तभी राहुल गांधी की पीएम बनने की दावेदारी में कुछ दम हो सकता है। इससे विपक्षी दलों पर राहुल गांधी की दावेदारी का दवाब बढ़ जायेगा । फिर भी क्षेत्रीय पार्टियां आसानी से राहुल की दावेदारी को पचा नहीं पायेंगी ।

राहुल गांधी की पीएम पद की दावेदारी से पहले कांग्रेस के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। इनसे पार पाना भी कांग्रेस के लिए लोहे के चने चबाने जैसा है। उनमें सबसे बड़ी चुनौती है। लोकसभा चुनाव लडने के लिए क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन पर्याप्त सीटों पर दावेदारी जताना। यह निश्चित है कि क्षेत्रीय दल कांग्रेस से गठबंधन करते भी हैं तो नाममात्र की सीटों पर ही करेंगे। क्षेत्रीय दल अपने जनाधार वाले राज्य में आसानी से सीटों का बंटवारा करने पर सहमत नहीं होंगे।

क्षेत्रीय दल बंटवारे में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम कभी नहीं करेंगे। कांग्रेस क्षेत्रीय दलों से समझौता करती भी है तो बदले में क्षेत्रीय दल भी उसके जनाधार वाले राज्यों में सीटों की मांग कर सकते हैं, खासतौर से ऐसे क्षेत्रीय दल जिनकी कांग्रेसशासित राज्यों में भौगोलिक सीमाएं लगती हैं। राहुल के प्रधानमंत्री बनने के ख्वाब में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन के साथ कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति भी कम बड़ी बाधा नहीं है। कांग्रेस का देश के प्रत्येक राज्य में नेटवर्क है। अभी इस नेटवर्क की हालत मरणासन्न है। कांग्रेस के लिए संगठन को जुझारू और व्यापक बनाना टेड़ी खीर है। कांग्रेस ने बेशक गांधी परिवार से इतर मल्लिकार्जुन खडगे के रूप में पार्टी का नया अध्यक्ष चुन लिया हो, पर संगठन में जान फूंकने की शक्ति खडगे में नजर नहीं आती। कांग्रेस में व्याप्त अनुशासनहीनता और दूसरी समस्याएं हैं।

राजस्थान में सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच टकर-ाव इसका बड़ा उदाहरण है। चीन के मुद्दे को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर हमलावर रही है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों का पूरा जोर इस बात पर ही रहेगा कि लोकसभा चुनाव में जो भी मिलाजुला चुनावी घोषणा पत्र तैयार हो उसमें उनके हिस्से में भी कुछ आना चाहिए। कांग्रेस में अब इतनी कुव्वत नहीं रही कि अपने बलबूते लोकसभा लायक बहुमत जुटा सके। इसके लिए कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों का सहारा लेना पड़ेगा। कांग्रेस के समक्ष तीसरी सबसे बड़ी चुनौती सत्ता में भागीदारी है। कांग्रेस गठबंधन यदि सत्ता में आता भी है तो मंत्री पदों के बंटवारे पर क्षेत्रीय दलों को साधना पहाड़ लांघने से कम नहीं होगा। हर क्षेत्रीय दल की कोशिश रहेगी कि उसके हिस्से में मलाईदार महकमा आए। रेल, वित्त और गृह मंत्रालय पर सबका जोर रहेगा। लोकसभा सभा में सांसदों की संख्या बल के आधार पर क्षेत्रीय दल मंत्री पद की मांग को लेकर कांग्रेस की बांह मरोडने में कसर बाकी नहीं रखेंगे। इसके बावजूद भी इस बात की गारंटी नहीं है कि क्षेत्रीय दल सरकार को आसानी से चलने देंगे ।

यूक्रेन में हैलीकाप्टर क्रैश, गृह मंत्री समेत 18 की मौत

कीव ,एजेंसी। यहां बुधवार को हुए हैलीकाप्टर क्रैश में 2 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में गृह मंत्री डेनिस मोनास्टिरस्की भी शामिल हैं। यह हैलीकाप्टर छोटे बच्चों की देखरेख करने वाले सेंटर और स्कूल (किंडरगार्टन) के पास हुआ। मोनास्टिरस्की साल 2021 में ही यूक्रेन के गृहमंत्री बने थे। हादसे में 22 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के समय प्ले स्कूल में बच्चे और स्कूल का स्टाफ मौजूद था। हेलिकप्टर में मौजूद सभी 9 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 9 लोग जो मारे गए हैं उनमें दो बच्चे हैं। ये किंडरगार्टन में मौजूद थे। बाकी इसी किंडरगार्टन के कर्मचारी हैं। कुल 22 लोग घायल हैं और इनमें 10 बच्चे हैं। हादसे की वजह पता नहीं चल सकी है।

काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र को नो ड्रोन जोन बनाया गया

सूरत ,एजेंसी, । सरकार ने सूरत में काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र को नो-ड्रोन जोन घोषित किया है। सूरत के अतिरिक्त कार्यकारी मजिस्ट्रेट वाईब्री. जाला ने जारी एक कार्यकारी आदेश में काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र क्षेत्र, 21.14 उत्तरी अक्षांश और 7322 पूर्व एनएम देशांतर, कुल 1852 समुद्री मील को नो ड्रोन जोन घोषित किया। जाला ने कहा कि अगर कोई इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

मनप्रीत बादल के कांग्रेस छोडने पर जयराम रमेश ने कहा- बादल छट गए

नई दिल्ली ,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल के पार्टी छोडने और भाजपा में शामिल होने पर कहा कि राज्य इकाई से बादल छट गए हैं। उन्होंने कहा, एक व्यक्ति जिसने अपनी पार्टी बनाने के लिए अकाली दल को छोड़ दिया और फिर कांग्रेस में शामिल हो गया, 5 साल के लिए वित्त मंत्री बना, फिर 60,000 से अधिक वोटों के रिकर्ड अंतर से हार गया और उसके बाद हाइबरनेशन में चला गया, अब बीजेपी में शामिल हो गया।

मनप्रीत बादल, जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के साथ मतभेदों के बाद पार्टी छोड़ दी थी और बीजेपी में शामिल होने वाले कांग्रेस नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, पूर्व राज्य अध्यक्ष सुनील जाखड़ और पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल शामिल हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लिखे पत्र में अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल के भतीजे मनप्रीत बादल ने कहा कि दिल्ली की मंडली पंजाब को चला रही है और इससे केवल गुटबाजी बढ़ी है।

डीएलएफ को लगा बड़ा झटका, नोएडा प्राधिकरण को देना होगा 235 करोड़

नोएडा ,एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर नोएडा प्राधिकरण को राहत देते हुए डीएलएफ की ओर से दाखिल किए गए कंटेप्ट अफ कोर्ट को खारिज कर दिया है। इसके बाद अब डीएलएफ को 235 करोड़ रुपए की रकम देनी होगी। ये वो रकम है जिसे प्राधिकरण जमीन अधिग्रहण मामले में रेड्डी विरेन्ना को दे चुका है। प्राधिकरण की ओर से तर्क दिया गया कि मल प्रबंधन और नोएडा प्राधिकरण के बीच हुई लीज डीड की शर्तों में साफ लिखा है कि अगर इस जमीन से संबंधित किसी को अतिरिक्तमुआवजा दिया जाता है तो वह पैसा प्रबंधन को देना होगा।

वीडी शर्मा का कार्यकाल बढ़ेगा या नहीं?

फीडबैक करेगा तय, प्रदेश अध्यक्ष के लिए इन नामों की हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक्सटेंशन मिल गया है। पार्टी ने यह फैसला आगामी नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए लिया है। इस बीच मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कार्यकाल बढ़ेगा या नहीं। या किसी नए चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपी जाएगी। इसे लेकर हाईकमान जल्द ही फैसला करेंगा। क्योंकि वीडी शर्मा का तीन साल का कार्यकाल 15 फरवरी को खत्म होने जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों का कहना कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल बढ़ने के साथ ही आगामी दिनों में उनकी टीम में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। कुछ राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अलावा प्रदेश अध्यक्षों को बदलने जाने की चर्चा है। इसके अलावा 2024 के चुनाव को देखते हुए संगठन में भी कुछ नए लोगों को शामिल किया जाएगा। कुछ प्रदेश अध्यक्षों के कार्यकाल भी बढ़ाए जा सकते है। वीडी. शर्मा का कार्यकाल बढ़ेगा या नहीं यह सब कुछ फीडबैक पर निर्भर करेगा। राष्ट्रीय स्तर से फीडबैक लेने का काम चल रहा है। इसकी रिपोर्ट कुछ दिनों में दिल्ली पहुंच जाएगी। इसके बाद विधानसभा चुनाव के हिसाब से जिम्मेदारियों में जरूरी बदलाव होंगे। 24 जनवरी को प्रदेश की राजधानी भोपाल में कार्यसमिति की बैठक होगी। इस बैठक में केंद्रीय नेतृत्व से मिले कार्यक्रमों और निर्देशों पर बात चर्चा होगी।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा अगर वीडी शर्मा को हटाती है, तो उनके स्थान पर सामान्य वर्ग से ही आने वाले किसी नेता को अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इस रेस में पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ला सबसे आगे नजर आ रहे हैं। शुक्ला की सीएम चौहान के साथ अच्छी ट्यूनिंग बताई जाती है। शुक्ला को प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपकर भाजपा विंध्य और महाकौशल को आसानी से साध लेगी। 2018 के चुनावों में विंध्याचल में ऐसा क्षेत्र था जहां पार्टी ने उम्मीद से अच्छा प्रदर्शन किया था। क्षेत्र की 30 सीटें में से भाजपा को 24 पर विजय मिली थी। जबकि महाकौशल की 38 सीटों में से पिछले 13 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

इस बीच शिवराज सरकार में मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का नाम भी इस रेस में शामिल है। दोनों ही नेताओं की संगठन में अच्छी पकड़ मानी जाती है।

भदौरिया का सीएम चौहान के साथ अच्छा तालमेल है। ग्वालियर चंबल बेल्ट में उनका प्रभाव है। पिछली बार भी उनका नाम प्रदेश अध्यक्ष की रेस में शामिल था। लेकिन एन वक्त पर वीडी शर्मा बाजी मार ले गए। हाल ही में भदौरिया ने करणी सेना का आंदोलन को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इन दिनों जिम्मेदारी मुक्त हैं।

उनके समर्थक दावा करते है कि वे प्रदेश अध्यक्ष के सबसे प्रबल दावेदार हैं। प्रदेश के हर जिले में उनके समर्थक बताए जाते हैं। जबकि मालावा-निमाड़ में विजयवर्गीय की मजबूत पक-ड़ मानी जाती है। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मालवा निमाड़ की 66 सीटों में 28 सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस ने यहां 35 सीटों पर जीत हासिल की थी। मालवा-निमाड़ में भाजपा के पिछड़ने के कारण पार्टी को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। 2013 के चुनाव में भाजपा ने 57 सीटों पर कब्जा जमाया था, कांग्रेस सिर्फ 9 सीटें जीत सकी थी।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा जातीय कार्ड भी खेल सकती है। पार्टी की नजर दलित और आदिवासी वोट बैंक पर है। 2018 के विधानसभा चुनावों में यह तबका पार्टी से छिटक गया था। ऐसे में प्रदेश की कमान किसी दलित या आदिवासी चेहरे को भी सौंपी जा सकती है।

आदिवासी चेहरों में राज्यसभा सांसद ड. सुमेर सिंह सोलंकी का नाम सबसे आगे है। सोलंकी बचपन से ही आरएसएस से जुड़े हैं। वे खरगोन-बड़वानी के सांसद रहे माकन सिंह सोलंकी के भतीजे है। मप्र में करीब 22 फीसदी आदिवासी वोटर्स हैं। 84 सीटें आदिवासी बहुल हैं। 2018 के चुनावों में इन 84 सीटों में से 34 पर भाजपा ने कब्जा किया था। जबकि 2013 के चुनावों में पार्टी को 59 सीटों पर जीत मिली थी। ऐसे में भाजपा एक बार फिर आदिवासियों के बीच पैठ बनाने में जुटी हुई नजर आ रही है।

दलित वर्ग को साधने के लिए पार्टी प्रदेश से किसी दलित चेहरे को भी प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा सकती है। ऐसे में भाजपा के राष्ट्रीय अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य का नाम सबसे आगे है। आर्य, शिवराज सरकार के पिछले कार्यकाल में मंत्री रह चुके हैं। वे 2018 में चुनाव हार गए थे। लाल सिंह ने पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के लिए जो काम किए हैं, उसे पार्टी में सराहा जा रहा है।

आर्य राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और अध्यक्ष जेपी नड्डा की गुड बुक में भी शामिल है। मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए प्रदेश की 35 विधानसभा सीटें आरक्षित हैं, जबकि वोट बैंक के लिहाज से 17 फीसदी वोट इसी वर्ग के हैं। यह वोट बैंक 50 से ज्यादा सीटों पर अपनी सीधी पकड़ रखता है और निर्णायक भूमिका में रहता है। वर्तमान में 35 सीटों में से भाजपा के पास 21 सीट है, 14 सीटें कांग्रेस के पास हैं।

हथियारों की खरीद पर चर्चा करने वाले देशों में भारत बड़ा उदाहरण

न्यूयार्क ,एजेंसी,। पेंटागन के प्रवक्ता पैट राइडर का कहना है कि भारत एक बड़ा उदाहरण है जिससे अमेरिका हथियारों की खरीद पर चर्चा कर रहा है ताकि दूसरे देशों को रूस से दूर किया जा सके। उन्होंने मंगलवार को वाशिंगटन में एक ब्रीफिंग में कहा, अमेरिका समझ गया है कि रूसी या सोवियत युग के हथियार खरीदने वाले कुछ देश मास्को के साथ संबंध बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सुरक्षा सहयोग के ष्टिकोण से और निश्चित रूप से अमेरिका के ष्टिकोण को देखते हुए मुझे लगता है कि क्षमताओं को शामिल करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा सहायता कहीं अधिक भरोसेमंद हैं।

उन्होंने कहा, हम दुनिया भर के विभिन्न भागीदारों और सहयोगियों के साथ चर्चा करना जारी रखेंगे कि क्या उन्हें इस प्रकार की प्रणालियों को खरीदना चाहिए। इसके लिए भारत एक महान उदाहरण है।

राइडर ने ये टिप्पणियां दक्षिण अफ्रीका के रूस और चीन के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और वाशिंगटन द्वारा प्रिटोरिया के साथ साझा की गई जानकारी से जुड़े एक सवाल के जवाब में की। उन्होंने कहा कि रक्षा सहयोग देशों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय है। स्टकहोम पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, भारत अपनी डिदें स सोर्सिंग में बदलाव ला रहा है। 2016 और 2021 के बीच अमेरिका से खरीदारी दस गुना बढ़ गई है। संस्थान के अनुसार, रूस से भारत का हथियारों का आयात पिछले पांच साल की अवधि की तुलना में 47 प्रतिशत कम हो गया है। अमेरिका के लिए एक दुविधा यह है कि भारत द्वारा एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली जैसे कुछ हथियारों की खरीद इसे प्रतिबंधों के लिए उत्तरदायी बनाती है और इसने अब तक प्रतिबंधों को रोक रखा है।

सोमाली बलों ने मध्य क्षेत्र में अल-शबाब के 21 आतंकवादियों को मार गिराया

मोगादिशू ,एजेंसी, । सोमालिया नेशनल आर्मी (एसएनए) ने मध्य सोमालिया में एक सैन्य ठिकाने पर अल-शबाब के आतंकवादियों के हमले में अल-शबाब के 21 आतंकवादियों को मार गिराया और कई अन्य को घायल कर दिया।

प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला की मदद के लिए आगे आए किन्नर, चलती ट्रेन में कराई डिलीवरी

नई दिल्ली ,एजेंसी,। ट्रेन में महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी लेकिन किसी महिला यात्री ने नहीं की बल्कि किन्नरों के एक ग्रुप ने डिलीवरी कराई। विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ट्रेन की बगी में किन्नरों की संख्या होने पर दूसरे यात्री उन्हें भगाने लगते हैं। लेकिन इन किन्नरों ने इस बार दरियादिली मिसाल कायम की है। बिहार के जमुई जिघ्ले के किन्नरों की दरियादिली का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। किन्नरों की ममता देखने के बाद लोग उनके पहल की काफी सराहना कर रहे हैं।

दरअसल बिहार के जमुई जिले के झाझा-जसीडीह रेल खंड में ट्रेन यात्रा के दौरान एक महिला को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी। जानकारी के अनुसार हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस डी 5 कोच में शेखपुरा जिले की रहने वाली महिला यात्री सफर कर रही थी। लखीसराय जाने के दौरान ट्रेन जैसे ही जसीडीह रेलवे स्टेशन से खुली तो महिला को दर्द होने लगा।

आसपास के लोग अभी कुछ समझ नहीं पा रहे थे कि क्या किया जा सकता है। ट्रेन में कई महिला सहयात्री भी मौजूद थीं लेकिन उन्हें भी कुछ नहीं सूझ रहा था। वो कुछ करतीं इससे पहले ही किन्नरों ने पहल करते हुए ट्रेन में ही महिला की डिलीवरी करवा दी। जैसे ही उन किन्नरों ने महिला को दर्द में देखा, वे बिना वक्त गंवाए उसे बाथरूम लेकर गई और वहां सुरक्षित प्रसव कराया। महिला ने एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया है।

रोहित वेमुला की पुण्यतिथि पर लखनऊ विवि.में छात्रों के दो गुट आपस में भिड़े

लखनऊ ,एजेंसी, । रोहित वेमुला की मौत के आठ साल बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में दो छात्र समूहों के बीच रोहित वेमुला की पुण्यतिथि मनाने के एक कार्यक्रम को लेकर झड़प हो गई। दोनों छात्र संगठनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी हुई। हालांकि, पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन ने हस्तक्षेप कर दोनों गुटों को अलग किया।

पीएचडी छात्र रोहित वेमुला ने छात्रावास से निकाले जाने के 12 दिन बाद 17 जनवरी, 2016 को अपने छात्रावास के कमरे में फांसी लगा ली।वह हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निलंबित किए गए पांच शोधार्थियों में से एक थे। इन सभी पांचों पर एबीवीपी के एक छात्र नेता के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया गया था।

माघ मेले में घिनौनी साजिश के तहत हिंदू बनकर बेच रहे थे दूसरे धर्म की किताबें

प्रयागराज, एजेंसी। माघ मेले में सुनियोजित साजिश के तहत हिंदू बनकर दूसरे धर्म की किताब बेचने वाले आशीष कुमार गुप्ता उर्फ मो. मोनिश, नरेश उर्फ समीर और महमूद हसन गाजी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 204 संदिग्ध धार्मिक किताब, चार आधार कार्ड, नकदी, एक संदिग्ध डायरी और तीन मोबाइल बरामद किए गए है।

गिरोह का सरगना महमूद हसन गाजी मरियाडीह पूरामुफ्ती स्थित इस्लामिया हिमदादिया मदरसा में शिक्षक (मौलवी) है, जबकि मोनिश स्टूडेंट इस्लामिक अर्गेनाइजेशन (एसआइओ) के पूर्वी उत्तर प्रदेश का जोनल सचिव है। इनकी गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस अलर्ट हो गई है।

गिरफ्तार अभियुक्तों को मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) सतीश चंद्र ने मीडिया के सामने पेश किया। बताया कि महमूद हसन गाजी मूलरूप से फतेहपुर के हुसैनगंज किशनपुरदास मातीनपुर का निवासी है। पिछले कई साल से जीटीबी नगर करेली में मकान बनाकर रह रहा है। आशीष उर्फ मोनिश सरायइनायत के सुदनीपुर कला हनुमानगंज और नरेश उर्फ समीर कौशांबी के पिपरी थाना क्षेत्र स्थित छोटा लालापुर चायल का निवासी है। महमूद हसन अन्य धर्म को बढ़ा चढ़ाकर और हिंदू धर्म की उपेक्षा करने के लिए वेद, ाचाओं से श्लोक प्रिंट कर उनका गलत अर्थ अंकित कराकर किताब छपवाता था। इसके बाद गरीब लड़कों को धोखे से अपने जाल में फंसाकर उनसे किताबें बिकवाता था।

करीब दो साल पहले उसकी मुलाकात हिंदू से मुस्लिम धर्म अपनाने वाले आशीष व नरेश से हुई तो उन्हें पांच-पांच हजार रुपये प्रतिमाह देकर ठेले पर धार्मिक साहित्य बिकवाने लगा। पूछताछ में पता चला है कि माघ मेले से पहले दोनों युवक मंदिरों और हिंदू धर्म के दूसरे उपासना स्थलों पर ठेला लगाकर किताब बेचने के साथ ही दूसरे धर्म से जुड़े पंफलेट बांटते थे।

पकड़े गए शिक्षक के प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के सदस्य होने की आशंका जताई गई है। खुफिया एजेंसी के अधिकारियों ने सभी से कई घंटें तक पूछताछ की। अब इनके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही आतंकी संगठनों से कनेक्शन को भी खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि छानबीन में मिलने वाले तथ्य और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेजस्वी सूर्या ने गलती के लिए माफी मांगी, सभी जांच के बाद ही विमान ने उड़ान भरी: सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो के विमान का आपातकालीन दरवाजा खोलने के मामले में अब उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बड़ा बयान आया है। मामले में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या पर आरोप लगाए गए हैं। जब ज्योतिरादित्य सिंधिया से तेजस्वी सूर्या को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि तथ्यों को देखना जरूरी है। फ्लाइट के ग्राउंड पर होने पर गलती से दरवाजा उनके द्वारा खोल दिया गया था और सभी जांच के बाद फ्लाइट को उड़ान भरने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने गलती के लिए माफी भी मांगी है।

नेता तेजस्वी सूर्या की इंडिगो घटना पर उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि घटना जमीन पर हुई थी। घटना के बाद ठश्रच सांसद तेजस्वी सूर्या ने जानकारी दी, जिसके आधार पर सभी नियमों का पालन किया गया। सभी प्रकार के जांच के बाद ही फ्लाइट ने उड़ान भरी। उन्होंने देरी के लिए माफी भी मांगी। वहीं, इंडिगो ने कहा था कि 10 दिसंबर को 2022 को विमान में जब बोर्डिंग प्रक्रिया चल रही थी, तब एक यात्री ने गलती से विमान का आपातकालीन दरवाजा खोल दिया था। यात्री ने तत्काल इसके लिए माफी मांगी। इसके बाद सभी प्रकार की जांच के बाद विमान ने उड़ान भरी। घटना की वजह से विमान को उड़ान भरने में देरी हुई। हालांकि, एयरलाइन या डीजीसीए की ओर से दावाजा खोलने के लिए यात्री का नाम नहीं बताया गया।

मामला पिछले साल 10 दिसंबर का है। इंडिगो का विमान चेन्नई से तिरुचिरापल्ली जा रहा था। डीजीसीए ने भी मामले में बयान जारी किया था। डीजीसीए ने कहा था कि इंडिगो 6म की फ्लाइट 6म-7339 में एक यात्री ने आपातकालीन दरवाजा खोल दिया था। मामले के जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मामले में नया मोड़ उस वक्त आया, जब आपातकालीन दरवाजा खोलने वाले की पहचान भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के रूप में हुई। इसके बाद कांग्रेस, ाप्डप्ड और टीएमसी ने भाजपा पर धुआंधार हमला बोल दिया था।

एसजीपीसी प्रमुख की गाड़ी पर हमला, बाल-बाल बचे

चंडीगढ़ ,एजेंसी, । शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी की गाड़ी पर बुधवार को मोहाली के पास बदमाशों ने हमला कर दिया। हमले में धामी बाल-बाल बच गए लेकिन एसयूवी का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। एसजीपीसी प्रमुख मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर कौमी इंसाफ मोर्चा में प्रदर्शनकारियों से मिलने जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी पर हमला किया गया। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने इसे एसजीपीसी और पंथिक संस्थानों को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा करार देते हुए कहा कि इस तरह के त्य खालसा पंथ को वश में करने और विफल होने की हताशा से पैदा हुए हैं।

दुनिया की सबसे बूढ़ी महिला का निधन, 118 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

पैरिस ,एजेंसी,। दुनिया की सबसे बूढ़ी महिला की पहचान बना चुकी फ्रेंच नन लुसिल रैंडन का 118 साल की उम्र में निधन हो गया है। रैंनड को सिस्टर आंद्रे के नाम से जाना जाता था। 11 फरवरी 1904 को दक्षिणी फ्रांस में उनका जन्म हुआ था। टलोन शहर के एक नर्सिंग होम में उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके एक करीबी ने कहा कि वह अपने प्यारे भाई के पास जाना चाहती थीं। नर्सिंग होम में भी वह सुबह प्रार्थना जरूर करती थीं। बता दें कि अब तक की सबसे बूढ़ी महिला जीन लुइस को माना जाता है जिनकी 1997 में मौत हो गई थी। उन्हें आधिकारिक तौर पर दुनिया में सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाली महिला का खिताब दिया गया था। वह भी फ्रांस की ही रहने वाली थीं। हालांकि रूस के शोधकर्ताओं ने दावा किया था कि जीन कैल्मेंट का दावा फर्जी हो सकता है। बताया जाता है कि कैल्मेंट की जब मौत हुई थी तब वह 122 साल 164 दिन की थीं। मस्को सोसाइटी ने कहा था कि 1934 में जिस महिला की मौत हुई थी वह जीन कैलमेंट ही थीं ना कि उनकी बेटी। उस समय वह 59 साल की थीं। हालांकि उनकी बेटी युवोन ने उत्तराधिकार टैक्स भरने से बचने के लिए मां की पहचान ले ली। अगर रूसी शोधकर्ताओं का दावा सच है तो जीन की बेटी की मौत 99 साल की अवस्था में हुई थी।

तेलंगाना भाजपा प्रमुख के बेटे ने सहपाठी से की मारपीट, मामला दर्ज

हैदराबाद ,एजेंसी। हैदराबाद पुलिस ने मंगलवार को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार के बेटे भागीरथ के खिलाफ महिंद्रा विश्वविद्यालय में अपने सहपाठी पर हमला करने का मामला दर्ज किया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों की एक शिकायत पर साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत डुंडीगल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

भागीरथ द्वारा एक छात्र के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के कुछ घंटे बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। घटना कुछ दिन पहले की बताई जा रही है। भाजपा नेता का बेटा, जो मैनेजमेंट का कोर्स कर रहा है, कथित तौर पर अपने दोस्त की बहन के करीब आने के लिए श्रीराम से नाराज था।वीडियो में भागीरथ को पीडिघ्ता को गालियां देते और फिर उसके साथ मारपीट करते हुए सुना जा सकता है।भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं और समर्थकों ने वीडियो को व्यापक रूप से साझा किया और भाजपा नेता की आलोचना की।

शर्मिला ने बीआरएस बैठक के लिए खम्मम को स्थल चुनने को लेकर केसीआर पर हमला किया

हैदराबाद ,एजेंसी, । वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की प्रमुख वाईएस. शर्मिला ने मंगलवार को पार्टी की राष्ट्रीय स्तर की बैठक के लिए बहु-उपेक्षित खम्मम जिले को चुनने के लिए मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव और उनके बीआरएस के खिलाफ तीखा हमला किया। केसीआर को लिखे एक पत्र में उन्होंने अपने झूठे वादों, झूठ और एकजुट खम्मम जिले को प्रभावित करने वाली अन्य विफलताओं को सूचीबद्ध किया। शर्मिला ने कहा कि केसीआर के पास आयोजन स्थल के रूप में जिले को चुनने का कोई नैतिक आधार नहीं है।

उन्होंने कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि पिछले नौ वर्षों में हर मोर्चे पर खम्मम को विफल करने के बाद, केसीआर अचानक एक और बेईमान छाप देने के लिए जाग गया कि वह जिले की परवाह करता है और उसका सम्मान करता है। लेकिन तेलंगाना के लोग इस सतत पेडलिंग से बहुत अच्छी तरह वाकिफ हैं।

शर्मिला ने कहा कि खम्मम अपनी राजनीतिक और सांसतिक चेतना के लिए प्रसिद्ध था और यही कारण था कि तत्कालीन टीआरएस को पिछले चुनावों में शाही हार का सामना करना पड़ा था।

उन्होंने कहा, यह आपकी घोर अवहेलना है, जिसने खम्मम को और अधिक निराशा और प्रतिगमन में धकेल दिया है। परिणाम अधूरी सिंचाई परियोजनाएं, आध्यात्मिक और धार्मिक निवासों के प्रति उदासीनता और बाढ़ से निपटने में अस्वाभाविक लापरवाही, संयुक्त जिले की क्षमता को मारने के लिए किए गए काम की सूची काफी लंबी है।

उन्होंने जिले के प्रति केसीआर की विफलताओं के 10 प्रमुख उदाहरणों की एक सूची प्रस्तुत की और मांग की, खम्मम के लोगों की ओर से, हम, वाईएसआर तेलंगाना पार्टी मांग करते हैं कि आप बैठक की ओर अपना मार्च शुरू करने से पहले इन चिंताओं को दूर करें। वह जानना चाहती थीं कि केसीआर ने आंध्र प्रदेश में सात मंडलों के विलय के खिलाफ लंबी लड़ाई क्यों नहीं लड़ी।

अपने बेटे का हौसला बढ़ाने स्टेडियम पहुंचा सिराज का परिवार, दिल छू लेने वाली तस्वीर हुई वायरल

नई दिल्ली, भारत और न्यूजीलैंड तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में भारतीय टीम को 12 रनों से जीत हासिल हुई। इस मैच को देखने आए फैंस से स्टेडियम खचा–खच भरा है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक तस्वीर काफी तेजी से वायरल हो रही है, बता दें कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को खेलता देखने के लिए उनका परिवार स्टेडियम में स्पॉट हुआ। सिराज के परिवार के सदस्यों की तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वह मैच का लुत्फ उठाते हुए नजर आ रहे है। दरअसल भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का घर हैदराबाद में ही है। ऐसे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले वनडे मैच में सिराज को खेलते देखने के लिए उनका परिवार स्टेडियम में नजर आया। बता दें कि सिराज गरीब परिवार से थे, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर देश के लिए खेलने का सपना पूरा किया। सिराज के पिता एक ऑटो ड्राइवर थे और इसके बावजूद उन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर पहले आईपीएल खेला। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम की तरफ से खेलने का मौका मिला। बता दें मोहम्मद सिराज ने 10 ओवर में कुल 4 विकेट चटकाए, इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 4.60 का रहा। उन्होंने खतरनाक बाउंसर से डेवोन कॉनवे को पवेलियन भेजा, वहीं कप्तान टॉप लैथम का विकेट चटकाया। इसके बाद 46वें ओवर में सिराज ने एक ही ओवर में मिशेल सेंटनर और शिल्पे को आउट कर भारतीय टीम की मैच में वापसी दिलाई

इसके साथ ही बता दें सिराज हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ भारत की श्रृंखला में 3–0 की जीत में सर्वाधिक नौ विकेट चटकाने वाले गेंदबाज थे, जिससे वह आईसीसी वनडे रैंकिंग में 15वें पायदान की उछाल से सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए है। सिराज ने इस तरह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की, उनके 685 अंक हो गए हैं।

सिराज के वनडे करियर की बात करें तो बता दें कि उन्होंने कुल 20 मैच खेलते हुए अब तक 4.73 के इकॉनमी के रेट से 35 विकेट चटकाए है।

भारत के खिलाफ ब्रैसवेल ने बनाया बड़ा कीर्तिमान, धोनी

नई दिल्ली, भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को भारतीय टीम ने 12रनों से अपने नाम किया। न्यूजीलैंड की तरफ से मिचेल ब्रैसवेल ने शानदार शतकीय पारी खेली। भले ही ब्रैसवेल कीवी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे, लेकिन उन्होंने इस मैच में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।दरअसल, भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। इस मैच में न्यूजीलैंड टीम का स्कोर एक वक्त 34/4 था, लेकिन माइकल नंबर 7 पर बल्लेबाजी करने आए और उन्होंने टीम की पारी को संभाला और अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा।

उन्होंने 43वें ओवर में मोहम्मद शमी की दूसरी गेंद पर छक्का मारकर शतक को पूरा किया। इस मैच गेंदों पर रन बनाए ब्रैसवेल ने टेस्ट में जड़ा है तिहरा शतक

गौरतलब हो कि 2012 में द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ अमला ने नाबाद 311 रन की पारी खेली थी। यह दक्षिण अफ्रीका के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। वह सरे टीम का हिस्सा थे, जिसने 2022 में काउंटी चैंपियनशिप जीती थी। अमला ने 181 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.46 से 8113 रन बनाए। वहीं, 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33.60 के औसत से 1277 रन बनाए। अमला ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर में 19,521 रन बनाए।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेक स्टीवर्ट, जिन्होंने सरे काउंटी क्रिकेट क्लब में अमला के साथ काम किया, ने उन्हें खेल का एक खिलाड़ी महान बताया। उन्होंने कहा, "सरे काउंटी क्रिकेट क्लब में हर कोई हाशिम के संन्यास लेने से दुखी होगा, लेकिन हम सभी एक शानदार करियर की सराहना करते हैं।

हाशिम एक शानदार क्रिकेटर और एक अद्भुत व्यक्ति हैं। वह टीम के लिए मैदान पर और बाहर हमेशा मौजूद रहे, युवा क्रिकेटरों ने उनसे बहुत कुछ सीखा।"

इससे पहले 10 जुलाई 2022 को आयरलैंड के खिलाफ डबलिन में शतक लगाया था। इस मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के एक रिकॉर्ड की बराबरी की। बता दें कि एमएस धोनी भी सात नंबर से नीचे बल्लेबाजी करते हुए वनडे में दो शतक लगा चुके है। ऐसे में ब्रैसवेल ने धोनी के इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

सबसे तेज शतक जड़ने वाले तीसरे कीवी बल्लेबाज बने

बता दें कि वनडे में न्यूजीलैंड के लिए सबसे तेज शतक जड़ने के मामले में उन्होंने कोरी एंडरसन के नाम है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ साल 2014 में 36 गेंदों में शतक ठोका था। दूसरे नंबर पर जेसी राइडर का नाम शामिल है, जिन्होंने 46 गेंदों में 2104 में वेस्टिंडीज के खिलाफ ही शतक ठोका था। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर माइकल ब्रेसवेल पहुंच गए है, जिन्होंने साल 2023 भारत के खिलाफ 57 गेंदों में शतक जड़ा।

शुभमन गिल ने विराट कोहली का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में शुभमन गिल ने न्यूजीलैंज के खिलाफ शतक जड़ा। शुभमन ने शतक जड़ने के साथ ही विराट कोहली और शिखर धवन को पीछे छोड़ दिया। शुभमन वनडे में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में शुभमन गिल ने 87 गेंद, 14 चौके और दो छक्के के मदद से अपने करियर का तीसरा शतक पूरा किया। 29.3 ओवर 114.94 का स्ट्राइक रेट से मिचेल सैंनटर की गेंद पर एक रन लेकर शतक पूरा किया। वहीं, 32 ओवर की 4 गेंद पर चौका लगाकर विराट कोहली और शिखर धवन को पीछे छोड़ दिया। वनडे में सबसे तेज 1000 रन पूरा करने के मामले में शुभमन गिल पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन गिल ने 19वें मैच में यह करानामा किया। वहीं, विराट कोहली और शिखर धवन ने अपने 1000 रन पूरे करने के लिए 24 वनडे मैच खेले थे।

पहले भारतीय बल्लेबाज बने शुभमन गिल

शुभमन गिल से आगे पाकिस्तान के दो बल्लेबाज हैं। पहले नंबर पर पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज फखर जमान हैं। फखर ने 18 वनडे मैचों में 1000 रन पूरे किए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर इन्हीं के हमवतन इमाम–उल–हक हैं। इमाम–उल–हक ने 19 वनडे मैच में अपने 1000 रन पूरे किए थे।

दूसरे बल्लेबाज बने कम पारियों में तीसरा शतक लगाने वाले

इसके अलावा शुभमन गिल ने अपने नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज किया। वह भारत के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने कम मैचों में तीसरा वनडे शतक पूरा किया है। शुभमन ने अपना तीसरा वनडे शतक 19वीं पारी में पूरा किया। वहीं, शुभमन गिल से आगे ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन हैं।

साउथ अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास

नई दिल्ली, साऊथ अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी हाशिम अमला ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 39 साल के हाशिम अमला ने कहा कि, मैं सभी खिलाड़ियों और टीम सदस्यों को उनके समथर्न के लिए धन्यवाद देता हूं। साथ ही टीम को शुभकामनाएं देता हूं कि वह बहुत सारी उपलब्धियां हासिल करें। बता दें कि अमला दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाजा रहे।

अमला ने 124 टेस्ट में 46.64 की औसत से 9,282 रन बनाए। वह जैक्स कैलिस के 13,206 के बाद दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2004 से 2019 तक साउथ अफ्रीका के लिए सभी प्रारूपों में 18,672 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 27 एकदिवसीय शतक बनाए। इस रिकॉर्ड को अभी तक कोई साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। वह आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेल चुके हैं।

फिल्मी सफर

क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स 2023 में भी चला आरआरआर का जादू, मिले दो पुरस्कार

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में सबकी निगाहें क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स 2023 पर टिकी थीं। भारत के लिए भी यह पुरस्कार समारोह बेहद खास था, क्योंकि ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर को इस पुरस्कार समारोह में एक या दो नहीं, बल्कि पूरे पांच नॉमिनेशन मिले थे। अब आखिरकार विजेताओं की घोषणा हो गई है और आरआरआर को एक बार फिर जश्न मनाने का मौका मिल गया है। फिल्म को एक नहीं, बल्कि दो क्रिटिक चॉइस पुरस्कार मिले हैं।

क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर किए गए पोस्ट में लिखा गया, फिल्म आरआरआर की कास्ट और क्रू को सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म का पुरस्कार जीतने के लिए बहुत–बहुत बधाई। यही नहीं, सर्वश्रेष्ठ गाने की श्रेणी में भी आरआरआर सबसे आगे रही। फिल्म के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट की तरफ से किए गए ट्वीट में लिखा गया, फिर नाटू नाटू क जलवा..यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने बेस्ट सॉन्ग के लिए क्रिटिक चॉइस अवॉर्ड जीता।

सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की श्रेणी में ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट, अर्जेंटीना 1985, बार्डो, फॉल्स क्रॉनिकल ऑफ ए हैंडफुल ऑफ ट्रुथ्स, क्लोज और डिसीजन टू लीव जैसी बेहतरीन फिल्मों को नॉमिनेट किया गया था, लेकिन आरआरआर ने सबको पछाड़ते हुए पुरस्कार अपने नाम किया। आरआरआर बेस्ट पिक्चर बनने से चूक गई। बेस्ट पिक्चर का पुरस्कार एवरिथिंग एवरीवेयर ऑल एट वन्स को मिला, वहीं सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब इसी फिल्म के निर्देशक डैनियल क्वान और डैनियल शेनर्ट को मिला। बेस्ट वीएफएक्स का खिताब अवतारः द वे ऑफ वॉटर ने जीता।

क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स में आरआरआर को बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट विदेशी भाषा फिल्म, बेस्ट विजुअल अफेक्ट और बेस्ट सॉन्ग (नाटू नाटू) जैसी पांच श्रेणियों में नॉमिनेट किया गया था। आरआरआर के इंस्टाग्राम पेज पर लिखा गया था, एक और दिन और आरआरआर के लिए एक और माइलस्टोन। इस खबर से फिल्म के प्रशंसक सातवें आसमान पर थे। फिल्म की टीम के साथ प्रशंसकों को भी पूरी उम्मीद थी कि किसी न किसी श्रेणी में फिल्म जरूर बाजी मारेगी। एसएस राजामौली, जूनियर एनटीआर और राम चरण के लिए 2023 ढेर सारी खुशियां लेकर आया है। पहले उनकी फिल्म आरआरआर को ऑस्कर अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया और फिर उनकी इस फिल्म के गाने नाटू नाटू को बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग के लिए गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड मिला। नाटू नाटू के म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरवानी ने यह पुरस्कार अपने नाम किया है। इसे बेस्ट सॉन्ग (मोशन पिक्चर) की श्रेणी में नॉमिनेट किया गया था।

तमन्ना भाटिया अपनी आगामी परियोजनाओं के लिए तैयार

तमन्ना भाटिया ने खुद को इंडस्ट्री की सबसे होनहार अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया है। अभिनेत्री ने बाहुबली, सई रा नरसिम्हा रेड्डी, एफ3 और बबली बाउंसर जैसी विभिन्न फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से यह साबित कर दिया है कि वह एक सुंदर चेहरे से कहीं अधिक हैं। अभिनेत्री अब बांद्रा के साथ मलयालम फिल्म उद्योग में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।एक सूत्र ने कहा, ह्य2023 तमन्ना के लिए बहुत व्यस्त होने वाला है। कथित तौर पर अभिनेत्री शूटिंग के लिए 20 जनवरी को केरल के लिए रवाना होने वाली है।

मलयालम डेब्यू में अभिनेत्री को देखने के लिए प्रशंसक इंतजार कर रहे है। वह उन कुछ सितारों में से एक हैं जिन्होंने तीन फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हैः तमिल, तेलुगु और हिंदी और बैक टू बैक प्रोजेक्ट रिलीज़ के साथ 2022 शानदार रहा है। अब वह बांद्रा के साथ मलयालम इंडस्ट्री में छा जाने के लिए तैयार हैं।

अभिनेत्री ने 2022 कान्स फिल्म फेस्टिवल और इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2022 में भाग लिया और इन वैश्विक मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व किया।

अभिनेत्री के पास 2023 के लिए कई आशाजनक परियोजनाएं हैं ।

डीप नेक ड्रेस पहनकर नेहा मलिक ने फैंस के दिलों पर चलाए खंजर

एक्ट्रेस नेहा मलिक इन दिनों अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी ग्लैमरस अदाओं का जलवा सोशल मीडिया पर बिखेर रही हैं। हाल ही में नेहा मलिक ने इंडो–वेस्टर्न लुक में हॉट फोटोज क्लिक करवाई हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपनी बोल्ड अदाओं से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में नेहा मलिक बेहद ही ग्लैमरल लुक्स देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। नेहा मलिक का ये लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही तेजी से वायरल होने लगा। इन तस्वीरों एक्ट्रेस का दिलकश अंदाज देख कर फैंस भी उनके दीवाने हो गए हैं। इन फोटोज में नेहा ने सिल्वर कलर का डीप नेक गाउन पहना हुआ है और साथ ही एक्ट्रेस अपना डीप नेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करती हुई हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। अभिनेत्री नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन और स्टाइलिश लुक देकर साथ ही न्यूड मेकअप किया हुआ है। एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट से फैंस को इस कदर इंप्रेस करती हैं कि लोगों की निगाहें उन पर से हट पाना मुश्किल हो जाता है। एक्ट्रेस नेहा मलिक कई भोजपुरी म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर चुकी हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने मिशन मजनू के कलाकारों के साथ साझा की सुखद यादें

रॉ एजेंट मिशन मजनू की मानसिकता को समझने के लिए कई कार्यशालाओं से गुजरे और कठोर शोध करने वाले अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फिल्म के कलाकारों के साथ अपनी प्यारी यादें साझा की हैं। नेटफ्लिक्स का मिशन मजनू, सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा 1970 के दशक में रश्मिका मंदाना, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी और शांतनु बागची के साथ भारत के सबसे महत्वपूर्ण मिशनों में से एक को उजागर करते नजर आएंगे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, मैं हमेशा उनके काम का कायल रहा हूं और लगभग हर फिल्म देखी है, जिसका वह हिस्सा रहे हैं। कुमुद सर सेट पर बेहद बातूनी हैं और जिस तरह से हम एक्शन में थे, वह अपने किरदार से अंदर–बाहर होते–होते बहुत पेचीदा था। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है कि फिल्म में उनका सबसे अच्छा चरित्र था और मैं यह देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं कि दर्शक इसके बारे में क्या महसूस करते हैं। शरीब ऑन और ऑफ कैमरा बेहद मनोरंजक हैं और न केवल वह एक उत्कृष्ट अभिनेता हैं, बल्कि एक महान गायक भी हैं। मुझे बेहद खुशी है कि मुझे उन दोनों के साथ काम करने का मौका मिला! सेट पर, सिद्धार्थ ने मिशन मजनू के कलाकारों और चालक दल के साथ एक शानदार तालमेल बनाया और शूटिंग का सबसे अच्छा और सबसे यादगार अनुभव था। रश्मिका मंदाना और शांतनु बागची के साथ काम करने पर, सिद्धार्थ ने कहा, शांतनु ने मिशन मजनू के साथ अपनी शुरूआत की है और काम के प्रति उनकी ईमानदारी को देखकर मैं उनका कायल हो गया हूं। हम एक छोटी सी डायरी रखने के लिए लगातार उनकी टांग खींचते रहते थे, जहां वह फिल्म के हर एक शॉट को स्केच करते थे। वह बेहद विजुअल डायरेक्टर हैं और मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद है। रश्मिका और मेरी सेट पर इतनी सहज दोस्ती थी और मुझे उसके साथ फिर से काम करना अच्छा लगेगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com